

भारत टाइम्स सजग

7



वर्ष : 01 अंक : 124

सोनीपत, मंगलवार, 21 जुलाई

2026REG.NO. HRHIN/26/A1301

पेज : 8 मुल्य : 1 रुपया

गौशालाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए प्रभावी योजनाएं क्रियान्वित:नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़ (संवाददाता)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा गौशालाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रभावी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। इसी कड़ी में राज्य की गौशालाओं को पशुधन की देखरेख के लिए 820ई रिक्शा उपलब्ध करवाई जाएंगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को चण्डीगढ़ में हाईपावर्ड परचेज कमेटी बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, राजस्व एवं आपदा मंत्री विपुल गोयल , कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, लोक निर्माण , जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री रणवीर गंगवा, महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना अनुसार एक हजार तक पशु रखने वाली गौशालाओं को एक तथा इससे अधिक गायों को रखने वाली गौशालाओं को दो ई-रिक्शा उपलब्ध करवाई जाएंगी। बैठक में 10.25करोड़ रुपए की लागत से ई रिक्शा खरीद को अनुमति प्रदान की गई। प्रदेश की कुल 770गौशालाओं में से 553गौशालाओं में एक हजार से कम पशु, 79गौशालाओं में दो हजार तक, 20गौशालाओं में तीन हजार तक, 8गौशालाओं में चार हजार तथा एक गौशाला में 5 हजार व एक गौशाला में 6हजार तक पशुधन है। मुख्यमंत्री ने कैथल शहर की विभिन्न कॉलोनियों में 12.87 करोड़ रुपए की लागत से सीवरेज लाइन डालने के कार्य को मंजूरी प्रदान की। इससे शहर की अधिकांश आबादी में सीवरेज व्यवस्था शुरू हो जाएगी जो आगामी 2042तक की जनसंख्या को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसके अलावा खेदड़ में वाटर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को अपग्रेड करने एवं आरसीसी टैंक का निर्माण करने की भी मंजूरी दी गई। इस कार्य पर लगभग 27.70करोड़ रुपए की लागत आएगी। मुख्यमंत्री ने फरीदाबाद मैट्रोपोलियन वि कास प्राधिकरण में 10 एमएलडी क्षमता के 5रेतीवैल ट्यूबवैल लगाए जाने की स्वीकृति



प्रदान की। गांव मंझावली, मोटूका के आसपास यमुना नदी के जलभराव वाले क्षेत्रों में लगभग 164.75करोड़ रुपए की लागत से लगाए जाने वाले रेतीवैल ट्यूबवैल से पेयजल हेतु टेस्टिंग की जाएगी। मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम मैट्रोपोलियन विकास प्राधिकरण के गांव बसई में 1000एमएलडी क्षमता का दूसरा जल घर बनाने के कार्य को भी स्वीकृति प्रदान की गई। इसके निर्माण पर लगभग 149करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस प्रकार 380.40करोड़ रुपए के विभिन्न कार्यों को 363.82 करोड़ रुपए में टेंडर छोड़कर लगभग 16.58 करोड़

रुपए की बचत की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की देरी व लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण किए जाने चाहिए। इसके अलावा विकास कार्यों में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, एफएमडीए व जीएमडीएम के सलाहकार डी. एस. देसी, प्रधान सचिव पंकज यादव , विजय सिंह दहिया, जीएमडीए के सीईओ पी सी मीणा, महानिदेशक सप्लाइ एवं डिस्पोजल पंकज सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मानसून सत्र में राष्ट्रीय से लेकर सिरसा के स्थानीय मुद्दों तक हर आवाज उठाऊंगी:कुमारी सैलजा

चंडीगढ़ (संवाददाता)

सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं कांग्रेस कार्यसमिति(सीडब्ल्यूसी) सदस्य कुमारी सैलजा ने कहा कि संसद के मानसून सत्र में वह राष्ट्रीय



मुद्दों से लेकर अपने संसदीय क्षेत्र सिरसा और हरियाणा से जुड़े जनहित के सभी महत्वपूर्ण विषयों को पूरी मजबूती के साथ लोकसभा में उठाएंगी। उन्होंने कहा कि देश के युवा, किसान, विद्यार्थी और आम नागरिक अनेक समस्याओं से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी आवाज सुनने के बजाय केवल घोषणाओं और प्रचार तक सीमित है। मानसून सत्र के पहले दिन नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत करते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि संसद में छात्रों से जुड़े मुद्दे, मंदिर में हुई चोरी का मामला, बढ़ती महंगाई , पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें तथा आम जनता से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषय प्रमुखता से उठाए जाएंगे। सांसद ने कहा कि सरकार जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं दिखाई दे रही है। लगातार बढ़ती महंगाई ने गरीब और मध्यम वर्ग पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला है, लेकिन राहत देने के लिए कोई प्रभावी नीति सामने नहीं आई है। कुमारी सैलजा ने कहा कि मिडिल ईस्ट में जारी संकट का असर ईंधन की कीमतों और देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

धरना समाप्त करें प्रदर्शनकारी, सीजेपी के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे कां करोच जनता पार्टी (सीजेपी) के एक प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। जेपी नड्डा ने इस मुलाकात की तस्वीर को शेयर करते हुए कहा कि हमारी बातचीत जारी है। मैंने धरने को समाप्त करने अनुरोध किया है। जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आज सुबह पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव आया और सुबह 11:50 से ही हमारी बातचीत जारी है। सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुलाकात हुई। उनके डेलीगेशन के साथ विस्तार से पहले मौखिक चर्चा हुई और उनके द्वारा लगभग 4बजे मुझे लिखित याचिका दी गई। उन्होंने आगे कहा कि मैंने सभी प्रदर्शनकारियों से अनुरोध किया कि वे अपने धरने को समाप्त करें और सामान्य स्थिति बहाल करने में प्रशासन की मदद करें। हालांकि, सीजेपी की तरफ से कहा गया है कि उनकी मांगों को लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। जब तक ऐसा नहीं होता है, आंदोलन खत्म नहीं होगा। मुलाकात के बाद सीजेपी प्रतिनिधि सोरभ दास ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री के समक्ष अपनी प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफा या उन्हें पद से हटाने की मांग शामिल है। उनका कहना था कि मंत्री जी ने भरोसा दिलाया है कि वे इस



मामले पर सही स्तर पर बात करेंगे। हालांकि, अभी तक कोई पक्का वादा नहीं किया गया है। जब तक मांग पूरी नहीं हो जाती, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी रुकेंगे नहीं। सीजेपी की ओर से सौंपे गए जापान में कहा गया है कि संगठन 6जून से शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कथित परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में देशभर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहा है। 20 जून से जंतर-मंतर पर अतिस्थितकालीन धरना जारी है, जिसमें शिक्षाविद और पर्यावरणविद सोनम बांगचुक भी शामिल हुए।

काकरोच, पर हूट पड़ी दिल्ली पुलिस की लाठी, जंतर-मंतर पर पीटे गए प्रदर्शन कारी

नई दिल्ली (एजेंसी)

काँकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया है। पुलिस ने उन्हें जंतर-मंतर से संसद की तरफ जाने से रोक दिया है। तमाम रोक के बावजूद प्रदर्शनकारी संसद भवन की तरफ बढ़ रहे थे, तभी पुलिस ने उनको खेड़ा और उन पर लाठीचार्ज किया। दरअसल , सुबह के समय प्रदर्शनकारियों ने आगे बढ़ने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा रोकने पर दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। कुछ मीडिया रिपोर्टों में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और हिरासत में लिए जाने के दावे किए गए हैं, जबकि पुलिस ने इन दावों से इनकार किया है। पुलिस के अनुसार, नई दिल्ली क्षेत्र में पहले से ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163के तहत निषेधाज्ञा लागू थी, जिसके चलते पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध था। संसद की ओर जाने वाले सभी



प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई और बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए। कुछ प्रदर्शनकारी सुरक्षा घेरा पार कर आगे बढ़ने में सफल रहे, जबकि कई अन्य को पुलिस ने मौके पर रोक दिया। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों को हिरासत में लिए जाने

की भी खबरें सामने आई हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। दिल्ली पुलिस ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि प्रदर्शन को पेशेवर तरीके से नियंत्रित किया जा रहा है और किसी प्रकार के बल प्रयोग की बात सही नहीं है।

पेपर लीक-चढ़ावा चोरी पर लोकसभा में भारी हंगामा, सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोक झोंक

नई दिल्ली (एजेंसी)

संसद के मानसून सत्र में सोमवार को लोकसभा में नीट पेपर लीक और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दों पर विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। विपक्षी सांसदों ने विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की, जिससे सदन का माहौल गर्मा गया। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य अपनी सीटों से उठकर सदन के मध्य भाग में पहुंच गए और सरकार के खिलाफ नारे लगाने लगे। कुछ सांसदों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए स्पीकर से हस्तक्षेप की अपील की। लगातार हंगामे के बीच स्पीकर ओम बिरला ने सदस्यों से सदन की गरिमा बनाए रखने और नियमों के तहत अपनी बात रखने का आग्रह किया।स्पीकर ने कहा कि संसद संवाद और सार्थक चर्चा का मंच है तथा सभी सदस्यों को नियमानुसार अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने तख्तिचां दिखाने और नारेबाजी से बचने की सलाह देते हुए कहा कि इससे संसदीय परंपराओं को नुकसान पहुंचता है। शोर-शराबा जारी रहते पर लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई।उधर, राज्यसभा में भी विपक्ष ने प्रदर्शनकारियों और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ कथित पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। उन्हें बताया गया के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई, जिससे सदन में



हंगामे की स्थिति बन गई। राज्यसभा में सोमवार को सभापति ने सदन की कार्यवाही शुरू होने पर पूर्व राज्यसभा सदस्यों बलबीर के. पुंज, स्वपन साधन बोस, रंगासायी रामकृष्ण और एच. हनुमंथप्पा के साथ-साथ कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया था।श्रद्धांजलि संदेश के बाद सदन ने दिवंगत आत्माओं की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।सभापति ने बताया कि पूर्व राज्यसभा सदस्य

बलबीर के. पुंज का 18अप्रैल 2026को 76वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे वर्ष 2000से 2006तक उत्तर प्रदेश तथा 2008 से 2014तक ओडिशा का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व कर चुके थे। पंजाब के गुरदासपुर जिले में जन्मे बलबीर पुंज प्रख्यात पत्रकार , लेखक, विचारक और सार्वजनिक बुद्धिजीवी के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर लेखन और विश्लेषण से अपनी अलग पहचान बनाई तथा भारत सरकार के राष्ट्रीय युवा आयोग के अध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं

दीं। सभापति ने कहा कि उनके निधन से देश ने एक प्रतिष्ठित सांसद, वरिष्ठ पत्रकार और प्रख्यात लेखक को खो दिया है।सभापति ने स्वपन साधन बोस के निधन पर भी शोक व्यक्त किया। उनका 12मई 2026को 78वर्ष की आयु में निधन हुआ। वे वर्ष 2005 से 2011 तक पश्चिम बंगाल से राज्यसभा सदस्य रहे। खेल जगत में 'टूटू बोस' के नाम से प्रसिद्ध स्वपन साधन बोस लंबे समय तक मोहन बागान एथलेटिक क्लब से जुड़े रहे और उसके अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने फी फा क्लब टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में भी कार्य किया तथा भारतीय फुटबॉल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सभापति ने कहा कि उनके निधन से देश ने एक प्रतिष्ठित खेल प्रशासक, सक्षम सांसद और समर्पित जनसेवक को खो दिया।श्रद्धांजलि संदेश में रंगासायी रामकृष्ण को भी याद किया गया, जिनका 4जून 2026को 92वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे वर्ष 2012से 2018तक कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य रहे। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी रहे रामकृष्ण ने राजस्थान सरकार और भारत सरकार में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वे जिनैवा स्थित इकनॉमिक कमिशन फॉर यूरोप, जीएटीडी तथा यूएनसीटीएडी से भी जुड़े रहे। सभापति ने उन्हें समर्पित लोकसेवक और कुशल सांसद बताया।सभापति ने एच. हनुमंथप्पा के निधन पर भी गहरा दुख व्यक्त किया। उनका 12 जुलाई 2026को 94वर्ष की आयु में निधन हुआ। वे वर्ष 1982से 2000तक लगातार तीन कार्यकालों तक कर्नाटक का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व करते रहे।

बच्चों ने शिक्षा के जायज सवाल उठाए तो जवाब में मिली लाठी और हिरासत:राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन और संसद



मार्च के दौरान उग्र प्रदर्शनकारियों व दिल्ली पुलिस सहित अन्य सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़प की निंदा की है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में हो रहे गंभीर मुद्दों को लेकर जायज सवाल उठाने वाले छात्रों को जवाब में केवल लाठियां और हिरासत मिली। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक वीडियो संदेश में तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रधानमंत्री को भारत के इतिहास का सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री बताया। राहुल गांधी ने कहा,"इतने युवा-विरोधी कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते।" राहुल गांधी ने पेपर लीक की घटनाओं का आंकड़ा देते हुए कहा कि देश में अब तक 152पेपर लीक हो चुके हैं, जिनसे करीब 7.5 करोड़ छात्र-छात्राएं प्रभावित हुए हैं। इसके बावजूद किसी दोषी को सजा नहीं मिली। उल्टा मेहनती युवाओं को सजा दी जा रही है।उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक करने वाले अपराधी आजाद घूम रहे हैं, जबकि वाजिव मुद्दे उठाने वाले छात्रों को घसीटा जा रहा है, पीटा जा रहा है और हिरासत में लिया जा रहा है।

अमेरिकी हमलों का ईरान ने दिया करारा जवाब, आईआरजीसी ने कुवैत में यूएस के सैन्य ठिकानों पर किया घातक हमला

तेहरान (एजंसी) - अमेरिका और ईरान के बीच ताबड़तोड़ हमले जारी हैं। ईरान ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई।



शुक्रवार को ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया। जिसमें दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई। जबकि चार सैनिक घायल हो गए। ईरान के इन हमलों का अमेरिका ने भी करारा जवाब दिया और शनिवार को लगातार आठवें दिन ईरान पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागीं। अमेरिका की इस जवाबी कार्रवाई का अब ईरान ने भी पलटवार किया है। जॉर्डन में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले के बाद अमेरिका ने ईरान पर रविवार तड़के ताबड़तोड़ हमले

किए। जिसका ईरान ने भी करारा जवाब दिया। ईरान की इस्लामिक रिवालयूशनरी गार्ड कॉर्प्स(आईआरजीसी)

ने रविवार को कहा कि ईरानी इलाके पर अमेरिकी हमलों के जवाब में उसने कुवैत में मौजूद दो अमेरिकी ठिकानों को ड्रोन से निशाना बनाया है। सरकारी ब्रॉडकास्टर के एक बयान के मुताबिक, इस्लामिक रिपब्लिक की सेना ने कहा कि उसने कुवैत में कैप उडैरी पर अमेरिकी सेना के गोला-बारूद डिपो और अली अल सलेम एयर बेस पर पैट्रियट रडार सिस्टम और एयर सर्विलांस रडार के खिलाफ कामिकाजे ड्रोन से बड़े पैमाने पर हमले किए,आईआरजीसी ने बताया कि ऑपरेशन

थंडरबोल्ट के 16वें चरण में ईरानी सेना ने अल-अदिरैह शिविर(गोला-बारूद डिपो) और अल-सलीम बेस(पैट्रियट रडार और वायु रक्षा केंद्र) पर हमला किया। बता दें कि अल-अदिरैह ईरान की सीमा से 104 किलोमीटर दूर स्थित है और अमेरिकी सेना के लिए एक प्रमुख सहायता केंद्र है। अल-सलीम पश्चिमी एशिया में अमेरिकी सैन्य प्रवेश का मुख्य हवाई मार्ग है। बता दें कि ईरान ने शुक्रवार-शनिवार की रात जॉर्डन में स्थित अमेरिका के दो सैन्य ठिकानों पर हमला किया। इन हमलों में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई। जबकि चार सैनिक घायल हो गए। हालांकि अमेरिका ने अभी तक मारे गए सैनिकों की पहचान जारी नहीं की है। जॉर्डन में हुए ईरानी हमलों का अमेरिका ने भी करारा जवाब दिया और रविवार तड़के ईरान पर मिसाइलों की बौछार कर दी। इसके बाद, अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने रविवार को ईरान के खिलाफ नए हवाई हमले किए ताकि जॉर्डन में हुए हमले में हुए नुकसान के लिए देश के रिवालयूशनरी गार्ड को जल्द सजा दी जा सके। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि इन हमलों का मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों की आवाजाही को रोकने की ईरान की धमता को और कम करना था। बता दें कि होर्मुज बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। क्योंकि इस मार्ग से दुनिया का 20प्रतिशत तेल की सप्लाई होती है। बता दें कि 28फरवरी से शुरू हुई इस जंग के बाद से अब तक 16 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो चुकी है। जबकि 430से ज्यादा घायल हुए हैं। बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच पिछले महीने अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे, लेकिन जुलाई में फिर से दोनों देशों के बीच हमलों की शुरुआत हो गई। उसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर को रद्द कर दिया। साथ ही ईरान के साथ हुए एमओयू को भी रद्द कर दिया। उसके बाद अब ईरान ने भी इस एमओयू को रद्द करने का एलान कर दिया।

राष्ट्रपति मुर्मु ऐतिहासिक यात्रा पर पहुंचीं मोल्दोवा, उप प्रधानमंत्री पोपसोई ने किया स्वागत



चिसीनाउ (एजंसी) - राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सोमवार को मोल्दोवा, नॉर्थ मेसेडोनिया और रोमानिया के अपने दौरों के पहले पड़ाव पर चिसीनाउ पहुंचीं। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति का मोल्दोवा का पहला दौरा था। मोल्दोवा के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मिहाई पोपसोई ने चिसीनाउ अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया,“राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मोल्दोवा, नॉर्थ मेसेडोनिया और रोमानिया के अपने स्टेट विजिट के पहले लेग में चिसीनाउ, मोल्दोवा पहुंचीं। चिसीनाउ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचने पर, रिपब्लिक ऑफ मोल्दोवा के उपप्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री मिहाई पोपसोई ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति का मोल्दोवा का पहला दौरा है। राष्ट्रपति मुर्मु, राष्ट्रपति मैया सैंडू के बुलावे

पर मोल्दोवा के सरकारी दौरे पर पहुंचे। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति का मोल्दोवा का पहला दौरा है। अपने दौरों के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मु राष्ट्रपति सैंडू से बातचीत करेंगी। वह मोल्दोवा पार्लियामेंट के प्रेसिडेंट इगोर ग्रोसु से मिलेंगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, वह मोल्दोवा-इंडिया पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप के सदस्यों से भी बातचीत करेंगी। इसके अलावा, वह एक बिजनेस फोरम और भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित करेंगी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, “भारत और मोल्दोवा के बीच अच्छे और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। यह दौरा एक अहम और ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा और दोनों देशों के संबंधों को एक बड़ी साझेदारी तक ले जाएगा। खेती, स्वास्थ्य सुविधा और फार्मास्यूटिकल्स, आईटी और शिक्षा के क्षेत्रों में आपसी फायदे वाले सहयोग की अच्छी गुंजाइश है।”

नार्वे में 100साल की सबसे भीषण आग: सैकड़ों घर खाक, 400लोग बेघर



ओस्लो (एजंसी) - ओस्लो। नार्वे के ड्रामेन शहर के पास एक कस्बे में लगी भीषण आग ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। अधिकारियों ने इसे “100 वर्षों में लगी सबसे बड़ी आग बताया है। सोमवार को भी आग पूरी तरह बुझ नहीं पाई थी और धुआं उठ रहा था। क्रोकस्टाडेल्वा इलाके में सप्ताहांत के दौरान करीब 100 घर पूरी तरह नष्ट हो गए, जबकि लगभग 400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इस आग में स्थानीय फायर चीफ टोरगेर एंडरसन का घर भी जलकर खाक हो गया। रविवार को स्थानीय अखबार ड्रामेंस टिडेंडे से बातचीत में पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में आग लगने की वजह या तो कोई दुर्घटना हो सकती है या फिर किसी स्थान पर अपने आप आग लगना(स्पॉन्टेनियस कम्बशन) हो सकता है। पुलिस के अनुसार, आग शुक्रवार दोपहर करीब 4 बजे क्रोकस्टाडेल्वा के एक रो-हाउस परिसर में शुरू हुई थी। पुलिस को इसकी पहली सूचना दोपहर 3:39बजे मिली। आग इतनी तेजी से फैली

कि रात 9बजे तक 100से अधिक घर क्षतिग्रस्त या पूरी तरह नष्ट हो चुके थे। नार्वे के दक्षिण-पूर्वी पुलिस जिले के संचालन प्रबंधक स्टॉले फुगलास ने कहा कि आग बुझाने का अभियान करीब 10दिन और चलने की संभावना है। उन्होंने कहा, “यह इलाके में एक लंबे समय तक चलने वाला अभियान है। इससे पता चलता है कि वहां कितनी गर्मी बनी हुई है। उन्होंने बताया कि पीड़ितों को अपने सामानों को निकालने में मदद पहुंचाई जाएगी जिन्हें अभी तक बाहर नहीं लाया जा सका है। नगर प्रशासन और आपातकालीन सेवाएं सुरक्षित तरीके से लोगों की वापसी की योजना पर काम कर रही हैं। अग्निशमन विभाग ने एहतियात के तौर पर इलाके में पानी के स्प्रिंकलर लगाए हैं और दमकल कर्मी, ड्रोन तथा हेलीकॉप्टर लगातार निगरानी कर रहे हैं। हालांकि, अग्निशमन कर्मी एरिक स्मिड्सबॉर्ड ने कहा कि अभी यह नहीं कहा जा सकता कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

ईरान की आर्थिक हालत खराब है, सरकार हिज्बुल्लाह के ऊपर खर्च कर रही पैसे: मार्को रुबियो

वाशिंगटन (एजंसी) - अमेरिका ने लगातार नौवीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। दोनों देशों के बीच जारी इस सैन्य टकराव में अब तक तीन अमेरिकी सैनिकों की जान जा चुकी है।



अमेरिकी सरकार ने इन ताजा हमलों को हाल ही में मारे गए अपने तीन सैनिकों को श्रद्धांजलि बताया है। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दावा किया कि वैश्विक प्रतिबंधों के कारण ईरान की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। मार्को रुबियो ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, की अर्थव्यवस्था खराब हालत में है। वहां 300फीसदी महंगाई है, खासकर जिंदगी के लिए जरूरी चीजों पर। वहां खाने की कमी है। वहां सूखा है, जो हमने नहीं डाला। वहां गैमोलीन और प्यूल की कमी है। वे लोगों को सैलरी तक नहीं दे पा रहे हैं। रुबियो ने कहा कि ये सारी समस्या इन सबके(हमलों के) शुरू होने से पहले से थीं। अब ये और खराब हो गई हैं। ये और खराब होती जाएंगी। ईरान की इस स्थिति का एक कारण यह है कि वहां की सरकार को जो भी पैसा मिलता है, चाहे वह बैन में राहत के जरिए हो या तेल के जरिए जो वे निकाल पाते हैं, वे उसे हिज्बुल्लाह में निवेश करते हैं। वे उसे हमाम में निवेश करते हैं। वे इराक, हिज्बुल्लाह और हमाम में मिलिशिया को समर्थन करने में अरबों डॉलर खर्च करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने देश को बनाने में लाखों डॉलर खर्च करने चाहिए। लेकिन इसके बजाय, वे इसे आतंकवाद के बक्से में बंद कर रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप बहुत बड़े शैतान है, मोजतबा खामेनेई ने कहा-उनके हस्ताक्षर पूरी तरह बेकार हैं

तेहरान (एजंसी) - ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला



बोला है। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप को ग्रेट शैतान यानी बहुत बड़ा शैतान कहा है। उन्होंने घोषणा की कि 14-सूत्रीय समझौता जापान पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के हस्ताक्षर पूरी तरह से बेकार हैं। खामेनेई ने ये भी चेतावनी दी कि अगर वाशिंगटन ईरान का राष्ट्रपतियों द्वारा हस्ताक्षरित समझौता हमले करता है तो ईरान और उसके प्रतिरोध मोर्चे के पास उसके लिए कभी न भूलने वाले

का आरोप है। उन्होंने कहा कि इन उल्लंघनों ने एक बार फिर से वाशिंगटन की बेईमानी, अविश्वसनीयता, दुर्भावनापूर्ण प्रकृति और अतार्किकता को उजागर किया है। खामेनेई ने कहा कि ईरान और अमेरिका के राष्ट्रपतियों द्वारा हस्ताक्षरित समझौता जापान का ग्रेट शैतान ने बार-बार उल्लंघन किया है और ये सच्चाई है। अमेरिका के

राष्ट्रपति के हस्ताक्षर पूरी तरह से बेकार और अविश्वसनीय हैं। तानाशाही, जबरदस्ती और क्रूरता अमेरिका की विचारधारा और सिद्धांत के अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अपनी हरकतों से अपना असल चेहरा दिखा दिया है। खामेनेई ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने तनाव को और बढ़ाने पर उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि अब जब अमेरिका संघर्ष को और बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जिससे उसे और भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इस वजह से अमेरिका को और अपमान सहना पड़ेगा। राष्ट्रीय एकता का आह्वान करते हुए ईरान के सर्वोच्च नेता ने नागरिकों और सरकारी अधिकारियों से देश की गरिमा और स्वतंत्रता की रक्षा करने का आग्रह किया। खास तौर पर उन चालाक दुश्मनों के खिलाफ। उन्होंने ईरानी लोगों से देश के संस्थानों का समर्थन जारी रखने की भी अपील की।मोजतबा बयान ऐसे वक्त पर आए हैं, जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ गया है। तनाव बढ़ते की वजह पिछले महीने विफल हुआ 14-सूत्रीय समझौता जापान है, जिसका मकसद दोनों देशों के बीच की दुश्मनी को खत्म करना और आगे की बातचीत का रास्ता खोलना था।

पीएम स्टार्मर ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट से दिया विदाई भाषण, बोले मैं मुस्कान के साथ जा रहा

लंदन (एजंसी) - ब्रिटेन को सोमवार को नया पीएम एंडी बर्नहेम के तौर पर मिल रहा है। इससे पहले कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास और कार्यालय 10डाउनिंग स्ट्रीट पर समर्थकों के समक्ष अपना आखिरी भाषण दिया। उन्होंने इसकी शुरुआत थैंक्यू से की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि वह राजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात कर प्रधानमंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंपने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका कार्यकाल अब समाप्त हो गया है। स्टार्मर ने कहा, “मैं किंग से मिलने जा रहा हूं ताकि अपना इस्तीफा सौंप सकूं और प्रधानमंत्री के रूप में अपने समय का अध्याय बंद कर सकूं। मेरा काम पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि साढ़े छह वर्षों में उन्होंने लेबर पार्टी को 2019की ऐतिहासिक हार के बाद पूरी तरह बदला, उसे देश का सामना करने के लिए तैयार किया और 2024 के आम चुनाव में भारी जीत दिलाई। स्टार्मर ने कहा, “प्रधानमंत्री के रूप में इस महान देश और आम सभी की सेवा करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। मुझे विश्वास है कि ब्रिटेन अब दो साल पहले की तुलना में अधिक मजबूत और निष्पक्ष है। उन्होंने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का



जिक्र करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था पहले से मजबूत हुई है और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार हुआ है। उनके अनुसार, प्रतीक्षा अवधि(वेटिंग टाइम) में 17वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। स्टार्मर ने यह भी कहा कि हर दिन बच्चों को गरीबी से बाहर निकालने के प्रयास हो रहे हैं, आब्रजन(इमिग्रेशन) में उल्लेखनीय कमी आई है और ब्रिटेन की रक्षा व सुरक्षा व्यवस्था पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई

है।उन्होंने दावा किया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ब्रिटेन की प्रतिष्ठा में काफी सुधार हुआ है।बातों को विराम देते हुए उन्होंने कहा कि अब वो ये बेटन(देश की कमान) एंडी बर्नहेम को सौंप रहे हैं और विश्वास दिलाते हैं कि उनकी पूरी मदद करेंगे। उन्होंने कहा, “हमने अपने देश और अपनी पार्टी के लिए जो बदलाव किए हैं, वे उन सभी लोगों के हैं जिन्होंने उनके लिए संघर्ष किया।

राजनीति से ही समाज के व्यापक हितों की पैरवी संभव:अशोक बुवानीवाला

चंडीगढ़ (संवाददाता)

रोहतक अग्रवाल वैश्य समाज ने अपने गठन के साथ ही वैश्य समाज की राजनीतिक भागीदारी को नया आयाम दिया है। ये बात अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने स्थानीय निजी रेस्टोरेंट में आयोजित समाज की बैठक को संबोधित करते हुए कही। बुवानीवाला ने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज संगठित होकर अपनी राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाए, क्योंकि निर्णय लेने वाली व्यवस्था में उचित प्रतिनिधित्व मिलने से ही समाज के हितों की प्रभावी पैरवी संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि संगठन का लक्ष्य प्रत्येक जिले, विधानसभा और मंडल स्तर तक मजबूत इकाइयों का गठन करना है। इसके लिए अनुभवी लोगों के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं को भी नेतृत्व में पर्याप्त अवसर दिए जा रहे हैं।

बुवानीवाला ने कहा कि अब समय आ गया है कि समाज राजनीतिक नेतृत्व में भी अपनी मजबूत और निर्णायक उपस्थिति दर्ज कराए। इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने क्षेत्र में समाज को संगठित करने और युवा नेतृत्व तैयार करने की दिशा में कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसी राजनीतिक दल विशेष का समर्थन करना नहीं, बल्कि समाज के हितों की रक्षा, योग्य नेतृत्व को आगे बढ़ाना तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था में समाज की सम्मानजनक भागीदारी सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि जब समाज संगठित होगा, तभी उसकी आवाज सरकार और प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि समाज की आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक मजबूती तभी सार्थक होगी , जब उसकी भागीदारी नीति निर्माण और जनप्रतिनिधित्व के स्तर पर भी प्रभावशाली होगी। इसलिए प्रत्येक जिले में ऐसे नेतृत्व को तैयार किया जा रहा है जो समाज की समस्याओं को मजबूती से उठाने के साथ-साथ नई पीढ़ी को संगठन से जोड़ने का कार्य करे। उन्होंने कहा कि संगठन का विस्तार केवल सदस्य संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में जागरूकता, एकजुटता और नेतृत्व क्षमता विकसित करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। इस अवसर पर विशेष तौर पर उपस्थित पूर्व मेयर मनमोहन गोयल



ने कहा कि अग्रवाल वैश्य समाज प्रदेशभर में संगठन को जिस योजनाबद्ध तरीके से मजबूत कर रहा है, वह अन्य सामाजिक संगठनों के लिए भी प्रेरणादायक है। उन्होंने नवनिर्वाचित रोहतक विधानसभा युवा अध्यक्ष जैकी ज़िंदल एवं उनकी पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने, युवाओं को जोड़ने के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि जैकी ज़िंदल के नेतृत्व में युवा टीम भविष्य के नेतृत्व के लिए निश्चित रूप से सकारात्मक परिणाम देगी। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुभाष तायल

नशा व्यक्ति, परिवार और राष्ट्र तीनों का विनाश करता है युवा पीढ़ी, नशे से दूर रहकर देश का भविष्य संवारे:-डा. अशोक कुमार वर्मा

सोनीपत (संवाददाता)

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा प्रदेशभर में चलाए जा रहे नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बुटाना (सोनीपत) में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत



कराने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा रा ज्य ना रकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरूकता एवं पुनर्वास प्रभारी उपनिरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा केवल किसी व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक क्षमता को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके परिवार की खुशियों, समाज की शांति और राष्ट्र की प्रगति पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि देश का युवा नशे से दूर रहेगा तो भारत का भविष्य सुरक्षित, स्वस्थ और सशक्त बनेगा।

डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें और अपने मित्रों, परिवार तथा आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कविता और गीत के माध्यम से विद्यार्थियों को भावनात्मक रूप से जोड़ते हुए कहा कि यदि नशा होता अच्छा तो माँ कहती खा ले मेरे बच्चा , यदि नशा होता अच्छा तो पिता कहता ले थोड़ी-सी पी, क्यों करता है जिता, अपनी जिंदगी जी। उन्होंने कहा कि यह पंक्तियां बताती हैं कि नशा कभी भी जीवन का हिस्सा नहीं हो सकता, बल्कि यह केवल विनाश की ओर ले जाता है।

पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था पर संसद में प्रदर्शन,धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

चंडीगढ़ (संवाददाता) कहा कि NEET सहित देश के कई संसद दीपेन्द्र हुड्डा, सांसद जय प्रकाश, इम्तिहानों में लगातार हो रहे पेपर लीक,



सांसद वरुण चौधरी और सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने आज देश के नौजवानों की आवाज को संसद में बुलन्द किया और संसद भवन परिसर‘धर्मेन्द्र प्रधान इस्तीफा दो’ के नारों से गुंज उठा। कांग्रेस सांसदों ने मांग करी कि देश के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को तुरंत बर्खास्त किया जाए। देश की संसद में शिक्षा व्यवस्था व परीक्षा प्रणाली पर चर्चा कराई जाए और अमूलचूल बदलाव किए जाएँ। क्योंकि शिक्षा और परीक्षा प्रणाली से देश के युवाओं का भरोसा उठ चुका है। जिसके लिए बीजेपी सरकार जिम्मेदार है। कांग्रेस सांसदों ने मांग करी कि देश के युवाओं की बात सुनी जाए। नेता विपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी युवाओं के साथ है। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने

युवाओं पर थोपी जा रही बेरोजगारी और छात्रों के अधिकारों के हनन के खिलाफ ‘छात्रों की गुंज कार्यक्रम के माध्यम से नेता विपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी पूरी मजबूती से लड़ रही है। इस लड़ाई में उन्होंने खुद युवा कांग्रेस के साथ कुर्क्षेत्र में बड़ा प्रदर्शन किया था। छात्रों के अधिकारों और उनकी आवाज को बुलंद करने के लिए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के‘छात्रों की गुंज कार्यक्रम को देश के हर एक छात्र तक लेकर जाने के महत्वपूर्ण अभियान के तहत कांग्रेस का नारा है‘‘शिक्षा बचाओ, भविष्य बचाओ’‘। पूरे देश में 152से ज्यादा पेपर लीक हो चुके हैं। हरियाणा समेत पूरे देश में पेपर लीक और नौकरियों का सौदा करने वाला एक पूरा रैकेट सक्रिय है। यह समस्या इतनी

गंभीर और जानलेवा हो चुकी है कि सिर्फ NEET पेपर लीक से परेशान होकर देशभर में अब तक 26अभ्यर्थी आत्महत्या कर चुके हैं। सांसद जय प्रकाश ‘जेपी ’ ने कहा कि भाजपा की पेपर लीक सरकार शिक्षा माफियाओं को संरक्षण दे रही और अपने हक की आवाज उठा रहे विद्यार्थियों पर लाठियां , ऑसू गैस के गोले बरसा रही है, जो बेहद निंदनीय है। जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण ढंग से आन्दोलनरत युवा छात्रों पर बर्बर लाठीचार्ज, ऑसू गैस के गोले दागने की दमनकारी कार्रवाई अपनी जवाबदेही से बचने की विफल कोशिश है। लगातार होते पेपर लीक और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर सरकार की चुप्पी छात्रों के भविष्य की चोरी और सौदेबाजी में मिलीभगत संदेह गहरा कर रही है। सांसद वरुण चौधरी ने कहा कि छात्रों की मांगों के समर्थन में अनशन कर रहे समाजसेवी व शिक्षाविद सोनम वांगचुक को जबरन उठाना और देश के युवाओं की आवाज़ को पुलिसिया दमन के सहारे कुचलने की कोशिश निंदनीय है। जहां केन्द्रीय शिक्षा में त्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा होना चाहिए था, वहाँ सोनम वांगचुक को अनशन स्थल से गलत ढंग से उठाया गया और अब उनकी चिकित्सा व्यवस्था पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है।सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे युवाओं की सरकार ने अब तक कोई सुध नहीं ली है। बीजेपी सरकार में संवाद और समाधान दोनों गायब हैं। सरकार को अहंकार छोड़कर तुरंत युवाओं से संवाद करना चाहिए और उनकी मांगों को स्वीकार करना चाहिए।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स केवल संगठन नहीं बल्कि चरित्र निर्माण का सशक्त माध्यम:प्रो. असीम कुमार घोष



चंडीगढ़ (संवाददाता)

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने राज्य के सभी बाल भवनों में वंचित बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियां शुरू करने की पहल की सराहना की है। आज यहां लोक भवन में हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की 44वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा की पहल तथा राज्य आयुक्त(बुलबुल) के नेतृत्व में प्रदेश के सभी बाल भवनों में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियां प्रारंभ की गई हैं। उन्होंने कहा कि यह सराहनीय पहल वंचित बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना तथा जीवनोपयोगी कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और उन्हें जिम्मेदार एवं सशक्त नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेगी। राज्यपाल, जो हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं, ने एसोसिएशन द्वारा प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों एवं वि श्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर वहां रोवर्स एवं रेंजर्स इकाइयों की स्थापना की पहल की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं के बीच भारत स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियां का और

अधिक विस्तार होगा।प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवा नागरिकों के चरित्र पर निर्भर करता है। स्काउटिंग एवं गाइडिंग ईमानदारी, करुणा, साहस, प्रकृति के प्रति सम्मान तथा‘स्वयं से पहले सेवा जैसे जीवन मूल्यों का संस्कार देती है। यही मूल्य एक सशक्त, प्रगतिशील और समावेशी भारत के निर्माण की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गा इड्स केवल एक संगठन नहीं , बल्कि चरित्र निर्माण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और निस्वार्थ सेवा की भावना विकसित करने वाला एक सशक्त जनआंदोलन है। हरियाणा के उल्लेखनीय योगदान का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के देशभर में 70 लाख से अधिक सदस्य हैं। देश की कुल जनसंख्या में हरियाणा की हिस्सेदारी लगभग दो प्रतिशत होने के बावजूद स्काउट्स एवं गाइड्स की कुल सदस्यता में प्रदेश का योगदान लगभग 17प्रतिशत है। उन्होंने इसे हरियाणा के लिए गौरव और अत्यंत उल्लेखनीय उपलब्धि बताया। इस अवसर पर राज्यपाल ने पदाधिकारियों, कन्स, बुलबुल्स, स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स, यूनिट लीडर्स तथा स्वयंसेवकों को उनके उल्लूक योगदान के लिए वारंट एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

समाज व प्रकृति का कर्ज सेवा से ही उतरेगा, संसार में कुछ भी मुफ्त नहीं:अनिल विज

चण्डीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि मानव की सहायता करना ही सेवा है। समाज सेवा हमारा लक्ष्य होना चाहिए और हमारा अम्बाला छावनी शहर समाज सेवा में नंबर एक होना चाहिए। विज ने कहा कि संसार में कुछ भी मुफ्त नहीं है। हमें कुछ देना भी पड़ता है, इसलिए समाज व प्रकृति का कर्ज सेवा से ही उतरेगा। विज अम्बाला छावनी स्थित अग्रवाल धर्मशाला में अग्रवाल फेलोशिप क्लब द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यतिथि बोल रहे थे। ‘विज ने अपने स्वैच्छिक कोष से दस लाख रुपए देने की घोषणा की।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने आयोजित किए गए रक्तदान शिविर की सराहना करते हुए कहा कि अग्रवाल फेलोशिप क्लब एक मशहूर समाज सेवी संस्था है जो रक्तदान शिविर के अलावा समाज सेवा के विभिन्न कार्यों को करते हैं। समाज सेवी कार्यों से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलती है। क्लब सदस्य स्वयं रक्तदान कर समाज सेवा का बेहतर उदाहरण समाज को दे रहे हैं। उन्होंने अग्रवाल फेलोशिप क्लब को प्रोत्साहन स्वरूप अपने स्वैच्छिक कोष से दस लाख रुपए देने की घोषणा की।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि आज के युग में लोग अपने तक ही सीमित होकर रह गए हैं जबकि दूसरे लोगों की सेवा के लिए प्रेरित करना भी आवश्यक है। सेवा विभिन्न कार्यों से होती है और हमें यह करना जरूरी भी है। हम पर्यावरण से हवा ले रहे हैं, सूर्य से रोशनी ले रहे हैं और इन्हीं से ही हम जीवित हैं परंतु संसार का नियम है कि दुनिया में कुछ मुफ्त नहीं है और हर वस्तु का भाव देना पड़ता है। यदि हमने कुछ लिया है तो कुछ देना भी पड़ता है अन्यथा समाज व प्रकृति का कर्ज चढ़ता रहता है। इसी कर्ज को उतारने के लिए समाज सेवी संस्थाएं बहुत बड़ी भूमिका अदा कर रही है।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने गीत गुनगुनाया कि‘अपने लिए जिए तो क्या जिए ‘‘‘जीना वहीं है जो दूसरो के लिए जीना है। उन्होंने कहा कि जो लेते रहते है और देते कुछ नहीं , उनके जीवन में खटास रहती है जो उन्हें ही नुकसान देती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि एक राही ने नदी का पानी पिया तो नदी से पूछा कि‘हे नदी तेरा



पानी इतना मीठा क्यों है, इस पर नदी ने उत्तर दिया कि उसने बहुत दूर जाना है और तू जाकर सागर से पूछ, राही फिर समुद्र के पास गया और समुद्र का पानी पीकर पूछा कि‘नदी का जल मीठा और समुद्र का खारा क्यों है’’ जिस पर समुद्र ने राही से कहा कि‘नदी एक हाथ लेती है तो दूसरे हाथ देती है, मगर मैं लेता हूं किसी को देता नहीं इसलिए मेरा जल खारा है’। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार हमें अपने जीवन में मिटास भरने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए।

‘पर्यावरण के प्रति सचेत होने की जरूरत और इस क्षेत्र में संस्थाएं कार्य करें-विज’

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि सेवा के बहुत प्रकल्प है और आजकल पर्यावरण व प्रदूषण की बहुत बात की जा रही है। प्लास्टिक का प्रयोग कर हम अपने पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

दिग्विजय चौटाला ने दिल्ली में संसद मार्च में शामिल होकर युवाओं की आवाज की बुलंद

चंडीगढ़ (संवाददाता)

सोमवार को जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला भारी संख्या में जेजेपी व इनसो कार्यकर्ताओं के साथ तिरंगा लेकर दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पहुंचे और उन्होंने ‘चलो संसद’ मार्च का समर्थन करते हुए युवाओं की आवाज को बुलंद किया। इस दौरान दिग्विजय चौटाला ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की मांग को लेकर अनशन कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आह्वान पर देशभर से भारी संख्या में हर वर्ग के लोग दिल्ली पहुंचे है और सब एकजुट होकर अहंकार में डूबी भाजपा सरकार से अपना हक मांग रहे है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा बैरिकेडिंग से किलाबंदी करके युवाओं की आवाज को दबाया नहीं जा सकता है और सरकार को लाखों लोगों की भावनाएं सुननी ही पड़ेगी। दिग्विजय ने कहा कि भाजपा सरकार की खराब व्यवस्था के चलते आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजन व देशवासी सरकार से भीख नहीं बल्कि न्याय मांग रहे है। हरियाणा में एचएट परीक्षा पर फिर उठे सवाल, दिग्विजय ने सीएम से की जांच की मांग

इससे पहले जेजेपी युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने हरियाणा में एक बार फिर से एचएट परीक्षा से जुड़ी एक बड़ी खामी को भी उजागर किया। उन्होंने कहा कि जहां देशभर में नीट परीक्षा व अन्य बड़ी प्रतियोगी परी क्षाओं की खामियों के चलते युवा परेशान है तो वहीं



हरियाणा में एचएट परीक्षा से जुड़ी गंभीर अनियमितताएं निरंतर सामने आ रही है। एक वीडियो संदेश के जरिए दिग्विजय चौटाला ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के ज्ञान में यह मामला डालते हुए कहा कि नियमानुसार सीसीटीवी के जरिए परीक्षा परिणाम की रिकॉर्डिंग हो नी चाहिए, लेकिन ये सामने आ रहा है कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड जज्ञान में यह मामला तैयार होते है, वहां सीसीटीवी के डाटा को डिलीट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश अनुसार पिछले तीन महीनों का सीसीटीवी डाटा रखना अनिवार्य होता है, लेकिन बोर्ड इन नियमों का खुलेआम उल्लंघन कर रहा है। दिग्विजय ने कहा कि एक पूरा तंत्र मिलकर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है।

चालू वित्त वर्ष में 6.5%से 6.8%की दर से बढ़ेगी भारती अर्थ व्यवस्था, डेलॉयट की रिपोर्ट में सामने आई अहम बातें

नई दिल्ली (एजेंसी)

चालू वित्त वर्ष में भारत का इकोनॉमिक ग्रोथ रेट 6.5से 6.8प्रतिशत के बीच रहेगा। डेलॉयट इंडिया ने ये अनुमान लगाया है। डेलॉयट ने अपने ताजा इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा है कि वित्त वर्ष की पहली छमाही में ग्रोथ की रफ्तार कुछ धीमी रह सकती है, लेकिन दूसरी छमाही में त्योहारी मांग, मोनेटरी पॉलिसी में नरमी और वैश्विक हालातों में सुधार से अर्थव्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद है। भारत ने मजबूत आर्थिक बुनियाद के साथ की थी 2026की शुरुआत रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने साल 2026की शुरुआत मजबूत आर्थिक बुनियाद के साथ की थी, लेकिन पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक घटनाक्रमों ने अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। इससे प्रमुख समुद्री रास्तों में बाधा, क्मोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव, इन्वेस्टर्स की चिंता और पूंजी निकासी जैसी स्थितियां पैदा हुईं। इसका असर व्यापार घाटे और रुपये की एक्सचेंज रेट पर भी पड़ा। इन्हीं घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने भी हाल में चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.7प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।



पहले की तुलना में ज्यादा अनिश्चित हो गई हैं वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां डेलॉयट इंडिया की इकोनॉमिस्ट रुमकी मजूमदार ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां पहले की तुलना में ज्यादा अनिश्चित हो गई हैं। उन्होंने कहा

कि पश्चिम एशिया के मौजूदा भू-राजनीतिक हालात और केंद्रीय बैंक के नीतिगत कदम कुछ जोखिमों को कम कर सकते हैं, लेकिन मौसम संबंधी अनिश्चितता, खासकर अल नीनो का कृषि और खाद्य कीमतों पर प्रभाव, एक बड़ी चुनौती

बना हुआ है।

मध्यम अवधि में वृद्धि का महत्वपूर्ण आधार बन सकता है FTA का विस्तार रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के लिए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट(FTA) का विस्तार मध्यम अवधि में वृद्धि का महत्वपूर्ण आधार बन सकता है। हालांकि, बाजार तक पहुंच बढ़ाने के साथ घरेलू उद्योगों को मजबूत करना, बेहतर बुनियादी ढांचा तैयार करना , आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त बनाना और नवोन्मेषण और कौशल विकास में निवेश बढ़ाना जरूरी होगा। डेलॉयट ने महंगाई को आर्थिक वृद्धि के लिए एक प्रमुख जोखिम बताया है। कच्चे तेल, खाद , जरूरी खनिज और खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों के साथ कमजोर रुपये का असर घरेलू कीमतों पर पड़ सकता है।

जून में 18महीनों के उच्च स्तर पर पहुंची महंगाई जून में भारत की सीपीआई आधारित महंगाई दर बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई, जो पिछले 18 महीनों का उच्च स्तर है। रिपोर्ट के अनुसार, कमजोर मानसून आने वाले महीनों में खाद्य महंगाई पर और दबाव बढ़ा सकता है, क्योंकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य वस्तुओं की हिस्सेदारी करीब 46प्रतिशत है। रिपोर्ट कहती है कि नीति-निर्माताओं के सामने महंगाई पर नियंत्रण और राजकोपीय अनुशासन बनाए रखने के बीच संतुलन कायम रखने की चुनौती होगी।

Accenture us सैलरी इंक्रीमेंट के नियमों में किया बदलाव, जानें कर्मचारियों को कैसे मिलेगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)

ग्लोबल आईटी सर्विस कंपनी एक्सेंसर ने मौजूदा आर्थिक



परिस्थितियों के बीच सैलरी इंक्रीमेंट के नियमों में बदलाव कर दिया है। आईटी कंपनी ने ज्यादा कर्मचारियों को सैलरी इंक्रीमेंट का फायदा देने के लिए ये बदलाव किया है। नए नियमों के तहत, कंपनी अब सैलरी इंक्रीमेंट का 50प्रतिशत हिस्सा मूल वेतन(बेस पे) में जोड़ेगी, जबकि बाकी का 50 प्रतिशत हिस्सा एकमुश्त भुगतान के रूप में दिया जाएगा।

पीटीआई के पास उपलब्ध कंपनी के एक डॉक्यूमेंट के अनुसार, इस साल जून के मेन सैलरी रिवीजन साइकल में ये नया सिस्टम लागू किया गया है। इसके तहत, टैलेंट और ग्रुप लीड पात्र कर्मचारियों के लिए कुल सैलरी इंक्रीमेंट का प्रतिशत तय करेंगे, जिसे बाद में दो बराबर-बराबर हिस्सों में बांटा जाएगा। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी कर्मचारी को 10प्रतिशत का सैलरी इंक्रीमेंट मिलता है, तो 5प्रतिशत उसके बेसिक सैलरी में जोड़ा जाएगा और बाकी का 5प्रतिशत उसे एकमुश्त भुगतान के रूप में सैलरी के साथ ही दे दिया जाएगा।

Air India के फ्लीट में शामिल होंगे 60हवाई जहाज, फ्लीट को मसडर्न बनाने की प्रक्रिया हुई तेज



नई दिल्ली (एजेंसी)

टाटा ग्रुप की एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया अगले 18 महीनों में अपने फ्लीट में 50से 60नए हवाई जहाज शामिल करने की तैयारियों में जुटा हुआ है। एयर इंडिया के चीफ कमर्शियल ऑफिसर और एयर इंडिया एक्सप्रेस के चेयरमैन निपुण अग्रवाल ने कहा कि पिछले कुछ सालों में कंपनी को कई महत्वपूर्ण सीख मिली हैं। उन्होंने बताया कि ये बदलाव अभियान काफी जटिल और चुनौतीपूर्ण रहा है। बताते चलें कि घाटे में चल रही एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया का जनवरी, 2022 में टाटा ग्रुप ने अधिग्रहण किया था। कई तरह की दिक्कतों का सामना कर रही है एविएशन इंडस्ट्री निपुण अग्रवाल ने कहा कि एविएशन इंडस्ट्री को सफाई चैन में दिक्कतों, एयर स्पेस से जुड़ी समस्याओं , एटीएफ की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक घटनाओं जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इसके बावजूद एयर इंडिया अपनी योजना के अनुसार आगे बढ़ रही है। अग्रवाल ने बताया कि एयर इंडिया ग्रुप का करीब 600विमानों का ऑर्डर है और अभी इनमें से 10 प्रतिशत से भी कम की डिलिवरी हुई है। उन्होंने कहा कि आने वाले सालों में इनकी डिलीवरी में

तेजी आएगी। फ्लीट को मॉडर्न बनाने और विमानों के अपग्रेडेशन की प्रक्रिया हुई तेज एयर इंडिया के चीफ कमर्शियल ऑफिसर निपुण अग्रवाल ने बताया कि अगले 7-8 सालों तक हर साल लगभग 50 से 60 नए विमान मिलने की उम्मीद है, जिनमें 10से 15बड़े साइज के विमान और 45से 50छोटे साइज के विमान शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि पुराने एयरक्राफ्ट और पुराने केबिन की वजह से कंपनी को ऑपरेशन्स में दिक्कतों का सामना करना पड़ा, लेकिन अब स्थिति में सुधार हो रहा है। फ्लीट को मॉडर्न बनाने और विमानों के अपग्रेडेशन की प्रक्रिया तेज हो गई है। तय कार्यक्रम के अनुसार जारी है बोइंग मैक्स-8 विमानों की डिलीवरी एयर इंडिया एक्सप्रेस अगले साल मार्च तक अपने हवाई जहाजों को एक समान फ्लीट में बदलने की योजना पर काम कर रही है। वहीं , एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर एयरक्राफ्ट्स का अपग्रेडेशन अगले साल के मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है, जबकि बोइंग 777 विमानों में ज्यादा समय लग सकता है। निपुण अग्रवाल ने बताया कि बोइंग मैक्स-8 विमानों की डिलीवरी तय कार्यक्रम के अनुसार जारी है। वहीं, मैक्स-10 विमानों की डिलिवरी प्रमाणन प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुरू होने की उम्मीद है।

आरबीआई का बड़ा एक्शन! मुयूट फाइनेंस समेत 6 कंपनियों पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय रिजर्व बैंक ने नियामकीय नियमों का उल्लंघन करने पर छह गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। केंद्रीय बैंक ने अलग-अलग मामलों में नियमों का पालन नहीं



करने पर इन कंपनियों पर लाखों रुपये का जुर्माना लगाया है। हालांकि , क्रकचट्ट ने साफ किया है कि यह कार्रवाई केवल नियामकीय कमियों के कारण की गई है और इससे ग्राहकों की जमा राशि या सेवाओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। किन कंपनियों पर कितना लगा जुर्माना क्रकचट्ट की अधिसूचना के अनुसार, अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज पर सबसे अधिक 6.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। वहीं मुथूट फाइनेंस पर 5.80 लाख रुपये, सत्या माइक्रोकैपिटल और ककह श्वद्धुद्वद्र दृशह्युद्वद्र्स पर 3.10-3.10 लाख रुपये, जबकि धनी लोन्स एंड सर्विसेज और मुथूट व्हीकल एंड एसेट फाइनेंस पर 2.70-2.70लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। मुथूट फाइनेंस पर क्यों हुई कार्रवाई क्रकचट्ट के अनुसार, मुथूट फाइनेंस ग्राहकों के खातों के जोखिम का समय-समय पर उचित आकलन करने में विफल रही। इसके अलावा कंपनी के पास संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की पहचान और समय पर रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक मजबूत तकनीकी प्रणाली भी नहीं थी। इन कमियों को गंभीर मानते हुए केंद्रीय बैंक ने आर्थिक दंड लगाया। अन्य कंपनियों की क्या रही चूक अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज पर आरोप है कि उसके प्रबंध निदेशक दो अन्य में भी निदेशक पद पर थे। साथ ही कंपनी ने एक ग्राहक या समूह को निर्धारित सीमा से अधिक ऋण उपलब्ध कराया।

सोने-चांदी की कीमतों में इस हफ्ते भी जारी रह सकती है गिरावट, एक्सपर्ट्स ने बताई ये वजहें



नई दिल्ली (एजेंसी)

सोने और चांदी की कीमतों में अगले सप्ताह भी गिरावट जारी रह सकती है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की तेज होती कीमतें और वैश्विक आर्थिक आंकड़े सोने और चांदी की कीमतों पर दबाव बनाए रख सकते हैं। इन्वेस्टर्स अमेरिकी साप्ताहिक बेरोजगारी दावों और शुरुआती पीएमआई जैसे महत्वपूर्ण आंकड़ों के साथ ही यूरोप और चीन के मौद्रिक नीति फैसलों और प्रमुख आर्थिक संकेतकों पर भी नजर रखेंगे। इनसे वैश्विक ब्याज दरों की दिशा को लेकर संकेत मिल सकते हैं। एक्सपर्ट्स ने कहा कि अमेरिका से जुड़े ठिकानों पर हमलों के बाद अमेरिकी सेना ने रविवार को ईरान के खिलाफ नए हवाई हमले किए, जिससे पहले से तनावपूर्ण पश्चिम एशिया की स्थिति और गंभीर हो गई है। अमेरिका और ईरान के बीच विवाद पर रहेगा बाजार का ध्यान जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में कर्मोडिटी और करेंसी रिसर्च के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट प्रणव मेर ने कहा,‘महीने के अंत में होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मीटिंग से पहले सोने में गिरावट का दौर जारी है। हालांकि, बाजार का ध्यान अमेरिका और ईरान के बीच विवाद पर बन रहेगा।

MCX पर बढ़ी गिरावट के साथ बंद हुए थे सोना

और चांदी

मल्टी कर्मोडिटी एक्सचेंज(MCX) पर अगस्त की डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव पिछले हफ्ते 2,572रुपये यानी करीब 2प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,40 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं , सितंबर की डिलीवरी वाली चांदी 6,261 रुपये यानी 2.8 प्रतिशत टूटकर 2.16 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। प्रॉफिट बुकिंग को प्राथमिकता दे रहे हैं कारोबारी एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट(रिसर्च) एनालिस्ट-कर्मोडिटी और करेंसी) जतिन त्रिवेदी ने कहा कि मजबूत अमेरिकी डॉलर, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और लंबे समय तक ब्याज दरें ऊंची बने रहने की संभावना के कारण सोने में गिरावट का दौर जारी रहा। उन्होंने कहा कि सोने में हर तेजी पर नई बिकवाली देखने को मिली, जिससे संकेत मिलता है कि कारोबारी नई खरीदारी करने के बजाय प्रॉफिट बुकिंग को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि रुपये में मा मूली सुधार से भी सोने को ज्यादा बल नहीं मिला, क्योंकि मजबूत डॉलर का दबदबा बना रहा। वैश्विक बाजार में पिछले हफ्ते कॉमेक्स सोना वायदा 95डॉलर यानी 2.3प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,018.8डॉलर प्रति औंस रह गया। वहीं, न्यूयॉर्क में चांदी करीब 4 डॉलर यानी 6.4 प्रतिशत टूटकर 56.32 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई।

ग्राहकों से जबरन सर्विस चार्ज वसूलने वाले 41 रेस्तरांट के खिलाफ कार्रवाई बारबेक्यू नेशन और चायोस जैसे नाम भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय उपभोक्ता सं रक्षण प्राधिकरण (CCPA) ने ग्राहकों के बिल में सर्विस चार्ज जोड़ने के मामले में देशभर के 41रेस्टरैंट के खिलाफ संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू की है। CCPA ने कहा कि बिल में सर्विस चार्ज जोड़ना , उपभोक्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन और अनुचित व्यापार व्यवहार की श्रेणी में आता है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा,‘सर्विस चार्ज पूरी तरह स्वेच्छिक है और इसका भुगतान करना या नहीं करना पूरी तरह से उपभोक्ता पर निर्भर करता है। सीसीपीए ने नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया है।’

प्रहलाद जोशी ने कहा कि CCPA ने संबंधित रेस्टरैंटों को बिल में खुद ही सर्विस चार्ज जोड़ने की प्रथा को तत्काल बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने बताया कि ये कार्रवाई राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (NCH) के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के आधार पर की गई है। पारित किए गए अंतिम आदेशों के तहत, सीसीपीए ने नियमों के उल्लंघन के लिए ‘चायोस ’ सनशाइन टीहाउस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित(पर 50,000रुपये का जुर्माना लगाया है और प्रभावित ग्राहकों की राशि वापस करने का आदेश दिया है। नियमों का उल्लंघन करने वालों में बारबेक्यू नेशन, चाइना गेट रेस्टरैंट भी शामिल



चायोस को अपने सभी आउटलेट पर सॉफ्टवेयर से तैयार होने वाले बिलिंग सिस्टम में बदलाव करने के लिए भी कहा गया है, ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि सर्विस चार्ज बिल में अपने आप न जुड़े। इसके अलावा सीसीपीए ने कैफे ब्लू बॉटल (पटना) चाइना गेट रेस्टरैंट प्राइवेट लिमिटेड, फिएस्टा बारबेक्यू नेशन(बारबेक्यू नेशन हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड) फू अहमदाबाद रेस्टरैंट (पेवल स्ट्रीट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड) एल’ओपेरा फ्रेंच बेकरी प्राइवेट लि मिटेड और जोरो-द लकजरी नाइट क्लब (रुद्रा हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड) के खिलाफ भी अंतिम

आदेश पारित किए हैं। बताते चलें कि पश्चिम एशिया में सफाई बाधित होने के बाद उत्पन्न हुई एलपीजी की समस्या के बाद कुछ रेस्टरैंट ग्राहकों से LPG चार्ज वसूल रहे थे ये मामला सामने आने के बाद CCPA ने LPG चार्ज वसूलने वाले रेस्टरैंटों को सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी। उपभोक्ता मामलों के संचालय ने बयान में कहा कि जिन अन्य रेस्टरैंटों के खिलाफ शिकायतें मिली हैं, उनके मामलों की भी जांच और कार्रवाई जारी है। जांच के दौरान पता चला कि ग्राहकों के बिलों में उनकी सहमति के बिना सर्विस चार्ज जोड़ा गया था।

भारत के साथ मजबूत व्यापारिक संबंध चाहता है अफगानिस्तान, बिजनेस वीजा की प्रक्रिया को आसान बनाने पर जोर

काबुल (एजेंसी)

अफगानिस्तान के टॉप बिजनेस ऑर्गेनाइजेशन अफगानिस्तान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इन्वेस्टमेंट(ACCI) ने भारत के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया है। ऑर्गेनाइजेशन ने व्यापारिक प्रक्रियाओं को आसान बनाने, प्रशासनिक समस्याओं को दूर करने और बिजनेस वीजा जारी करने की प्रक्रिया को ज्यादा आसान बनाने का सुझाव दिया है। इन सुझों पर काबुल में एसीसीआई के चेयरमैन सैयद करीम हाशिमि और अफगानिस्तान में भारत के राजदूत यतिन पटेल के बीच मीटिंग हुई। एसीसीआई के अनुसार, दोनों पक्षों ने रणनीतिक और कूटनीतिक बातचीत के माध्यम से व्यापार, निवेश और लंबी अवधि में आर्थिक सहयोग को बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की। ये बैठक ऐसे समय हुई है जब पाकिस्तान के रास्ते से अफगानिस्तान का ट्रांजिट ट्रेड तेजी से घटा है। वित्त वर्ष 2020-21में जहां ये लगभग 5अरब डॉलर था, वहीं वित्त वर्ष 2025-26में ये घटकर 36.7करोड़ डॉलर रह गया है। इसके चलते अफगानिस्तान ने ईरान समेत वैकल्पिक व्यापारिक रूट पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया है। भारत भी ईरान के चाबहार बंदरगाह के रास्ते से अफगानिस्तान के साथ संपर्क और व्यापार को मजबूत कर रहा है। ये रास्ता पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए भारत



को अफगानिस्तान तक सीधी पहुंच उपलब्ध कराता है। भारत और अफगानिस्तान के बीच साल 2025-26 में द्विपक्षीय व्यापार 90.78 करोड़ डॉलर रहा था। मीटिंग में सैयद करीम हाशिमि ने कृषि उत्पादों, हस्तशिल्प, खनन और खनिज संसाधनों जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने अफगानिस्तान के एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए नए बाजारों तक पहुंच, लॉजिस्टिक इफ़्फ़ा में

सुधार और बिजनेस वीजा प्रक्रिया को आसान बनाने जैसे सुझाव भी दिए। भारतीय राजदूत यतिन पटेल ने इन प्रस्तावों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत इन क्षेत्रों में सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच संयुक्त व्यापार प्रदर्शनी, विशेष व्यापारिक संवर्धों और व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों के आदान-प्रदान की योजना पर काम किए जा रहे हैं।

संपादकीय

बुर्कीना ने फ्रांस से संबंध तोड़े

पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बुर्कीना फासो ने फ्रांस से अपने दौत्य-संबंध तोड़ने का ऐलान किया है। कभी फ्रांस का उपनिवेश रहे बुर्कीना की इस कार्रवाई को बुर्कीना फासो की कठोर कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। इस बीच यह भी स्पष्ट हो गया है कि बुर्कीना में लोकतंत्र दूर की कौड़ी है और उसे लंबे समय तक फौजी जुंता के अधीन रहना होगा।
गत वर्ष के युद्ध में पश्चिमी अफ्रीकी ब्लॉक से संबंध विच्छेद के उपरांत बुर्कीना ने पड़ोसी राष्ट्रों नाइजर और माली के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित कर मस्क़ा-बीजिंग धुरी की ओर पींगे बढ़ाई हैं और हाल में उसकी रूस पर सामरिक निर्भरता बढ़ी है। गौरतलब है कि बुर्कीना, माली और नाइजर पिछले करीब एक दशक इस्लामी उग्रपंथियों की घुसपैठ से जूझ रहे हैं और उनसे मुकाबले के लिये रूसी सहायता पर निर्भर हैं। फ्रांस से इन देशों के रिश्तों में तल्खी लगातार बढ़ती जा रही है और अब नव उपनिवेशवाद को बढ़ावा देने और बुर्कीना के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ आचरण का आरोप मढ़कर बुर्कीना ने जुमे के रोज़ फ्रांस से राजनयिक संबंध तोड़ लिये हैं।

बुर्कीना फासो छोटा सा अफ्रीकी राष्ट्र है विशालकाय अफ्रीका महाद्वीप में पश्चिमोत्तर में स्थित भू-अवेष्टित 2.47 लाख वर्ग किमी का लगभग 2.4 करोड़ की आबादी का देश। 65प्रतिशत आबादी मुस्लिम है और वह विश्व के चुनौी न दिर्घनतम राष्ट्रों में शुमार है। फ्रांस की औपनिवेशक दासता से मुक्त हुये इसे लगभग कुछ दहाइयों ही बीतीहैं और प्रारंभिक लोकतंत्र के बाद वहां तख्तापलट का इतिहास रहा है। वहां आतंकवादी समूह सक्रिय हैं और आर्थिक विकास के पैमाने पर वह बहुत निचली पायदान पर है। यही बुर्कीना फासो इन दिनों विश्वव्यापी सुर्खियों में है और उसकी सुर्खियों में आने का सबब हैं वहां के 38 वर्षीय युवा राष्ट्रपति इब्राहीम टूओरे, जो लगभग चार वर्ष पूर्व कून्दे-ता से सत्ता में आये थे। अपनी रीति और नीति से टूओरे पैन-अफ्रीका या अफ्रीकी-अस्मिता के प्रतीक बनकर उभरे हैं। जाहिर है कि वह योरोप और अमेरिका के धनीमानी राष्ट्रों और निओ-इंपीरियालिस्ट ताकतों की आंखों में किरकिरी बनकर खड़क रहे हैं। विलाशक अपने दुस्साहसिक फैसलों से उन्होंने अमेरिका और फ्रांस जैसे महाबली राष्ट्रों को चुनौती दे डाली है।

कभी अपर वोल्टा के नाम से ज्ञात बुर्कीना सन 1896में फ्रांसीसी दासता के जुएं तले आया। सन 1958में स्वशासन के हक के बाद इसे सन 1960 में आजादी मिली। इसके बाद का इतिहास अस्थिरता, अकाल, दुर्भिक्षों, तख्तापलट और भ्रष्टाचार की गाथा है। सन 1966,80,83और 87तथा फिर सन 2022में दो बार कूदे तो हुये। तख्तापलट के विफल प्रयास सन 1989,2०15 और 2023में भी देखने को मिली। इनमें उल्लेखनीय रहा सन 1983में सत्त में आये थॉमस संकारा का कार्यकाल। सं कारा पहले राष्ट्राध्यक्ष थे, जिन्होंने बुर्किना फासो को सुधारों और विकास की राह पर बढ़ाया। सामाजिक-आर्थिक, सुधारों के तहत उन्होंने साक्षरता अभियान, भूमि पुर्नवितरण, 20लाख से अधिक बच्चों का टीकाकरण, रेल और सड़क निर्माण, सबको शिक्षा जैसी योजनाएं लागू कीं। उन्होंने महिलाओं का खतना, बलात विवाह और बहु विवाह पर पाबंदी लगाई, मगर सन 1987में ब्लेस कोम्पाओरे के नेतृत्व में सशस्त्र क्रांति में उनका तख्ता पलट कर उनकी हत्या कर दी गयी। ब्लेस की तानाशाही का 31अक्टूबर 2014को अंत हुआ , लेकिन उसके बाद बुर्किना अग्रवादी इस्लामी गुटों की घुसपैठ और हिंसा में डूब गया, जिसमें दस लाख से अधिक बुर्कीनावे विस्थापित हुये।

फ्रेंचकाल में अपर वोल्टा के तौर पर ज्ञात राष्ट्र को बुर्किना फासो नाम थॉमस संकरा की देन है, जिसका शाब्दिक अर्थ होता है ईमानदारों की धरती। टूओरे की पहल पर फ्रेंच फौ जियों को निष्कासित कर तीनों उक्त देशों के रंगरूटो को कानून और सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है। हालात का एहसास इससे हो सकता है कि अमेरिका समेत अनेक देशों ने सैलानियों से बुर्कीनो के अंदरूनी भागों की यात्रा नहीं करने को कहा है। देश में यातायात और संचार साधन अत्यल्प हैं। दक्षिण अफ्रीका, माली और घाना के बाद बुर्कीना अफ्रीका का चौथा प्रमुख स्वर्ण उत्पादक राष्ट्र है। सोना , कपास और तिनहन वहां की मुख्य निर्यात वस्तुएं हैं। इनका उत्पादन बढ़ाने के उपक्रमों में तेजी आई है। वैसे बुर्कीनों जवाहरतों का भी निर्यात करता है और वहां के पारंपरिक हस्तशिल्प की विश्व बाजार में अच्छी मांग व प्रतिष्ठा है। टूओरे अब इन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ही अधीसंरचना के विकास पर जोर दे रहे हैं।

अमेरिका कैसे तैयार करता है खेल चैंपियन और उद्योग

मुंबई स्थित अमेरिकी कांसुलेट द्वारा भोपाल में आयोजित एक हाइब्रिड सत्र के दौरान 80से अधिक खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, कोचों और खेल प्रशासकों को संबोधित करते हुए ग्लोबल स्पोर्ट्स मेंटरिंग प्रोग्राम की पूर्‍व प्रतिभागी वैद्य ने बताया कि अमेरिकी खेल प्रणालियाँ खिलाड़ी विकास, विज्ञान, शिक्षा और व्यवसाय को किस प्रकार एक साथ जोड़कर न केवल चैंपियन तैयार करती हैं बल्कि पूरे खेल उद्योग का विकास भी करती हैं। वैदेही वैद्य चाहती हैं कि भारतीय खेल पेशेवर पदकों और मुकाबलों से आगे की सोच विकसित करें।

उनके सत्र का शीर्षक था“अमेरिका की खेल प्रणालियाँ और मार्ग: चैंपियन और उद्योगों को आकार देने वाली संरचनाएँ।” इस सत्र में प्रतिभागियों को यह समझाया गया कि अमेरिका स्कूलों, कॉलेजों, पेशेवर लीग और विशेष सहायता नेटवर्कों के माध्यम से दीर्घकालिक खेल प्रणालियों का निर्माण कैसे करता है। अमेरिका में अपने अनुभव के आधार पर वैद्य कहती हैं कि अमेरिकी खेलों की सफलता उन प्रणालियों में निहित है जो हर स्तर पर खिलाड़ियों को सहयोग प्रदान करने के लिए तैयार की गई हैं।

वैद्य कहती हैं ,‘अमेरिका तीन आयामी दृष्टिकोण अपनाता है: संरचित , वैज्ञानिक और पेशेवर। अमेरिकी खेल उद्योग अत्यंत सुव्यवस्थित है। खेल क्षेत्र में प्रवेश करने वाले खिलाड़ियों को अमतौर पर अपने कैरियर के मार्ग की स्पष्ट समझ होती है। स्कूल टीमों से लेकर राष्ट्रीय लीग तक, प्रदर्शन विज्ञान के महत्व को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है।”

अमेरिकी दृष्टिकोण केवल खिलाड़ियों के प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें बुनियादी ढाँचे, प्रबंधन और पेशेवर सहायता प्रणालियों में दीर्घकालिक निवेश भी शामिल है, जो समग्र रूप से खेल उद्योग को सशक्त बनाते हैं।

ग्लोबल स्पोर्ट्स मेंटरिंग प्रो ग्राम ने सा झा की सफलता की रणनीतियाँ

वैद्य ने अमेरिकी विदेश विभाग के ग्लोबल स्पोर्ट्स मेंटरिंग प्रोग्राम में भाग लिया था, जिसका संचालन टेनेसी विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्पोर्ट, पीस एंड सोसाइटी द्वारा किया जाता है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय खेल दि गजों को अमे रिकी मेंटर्स और संस्थानों से जोड़ता है ताकि खेल नेतृत्व और प्रबंधन से जुड़ी सर्वोत्तम कार्य

प्रणालियों का आदान-प्रदान किया जा सके।

इस आदान-प्रदान कार्यक्रम के दौ रान वैद्य ने देखा कि अमेरिकी खेल क्षेत्र में अनुसंधान, तकनीकी विशेषज्ञता और पेशेवर प्रबंधन किस प्रकार मिलकर कार्य करते हैं। इस अनुभव ने उन्हें यह समझने का अवसर दिया कि अमेरिकी संगठन ऐसे दीर्घकालिक तंत्र कैसे विकसित करते हैं जो खिलाड़ियों और खेल पेशेवरों दो नों का समर्थन करते हैं। वह कहती हैं,‘चाहे कोचिंग हो, खेल विज्ञान हो या डेटा विश्लेषण, इन सभी क्षेत्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाता है और अनुसंधान का समर्थन प्राप्त होता है। यह कार्यप्रणाली मज़बूत तकनीकी कार्यक्रमों के विकास में योगदान देती है और ऐसे पेशेवरों को तैयार करती है जो अपने-अपने क्षेत्रों में उच्च स्तर की विशेषज्ञता प्रदर्शित करते हैं।”

इस कार्यक्रम ने उन्हें खेल क्षेत्र के अग्रणी लोगों से जुड़ने और यह बेहतर समझने का अवसर भी दिया कि अमेरिकी संस्थान नवाचार और पेशेवर विकास को बढ़ावा देने वाले नेटवर्क कैसे विकसित करते हैं। वैद्य कहती हैं,‘मुझे प्रमुख खेल दिग्गजों से जुड़ने का अवसर मिला, जिसने व्यक्तिगत और पेशेवर वि कास के प्रति मेरे दृष्टिकोण को गहराई से प्रभावित कि या। इस का र्यक्रम ने मुझे प्रभावी प्रणालियाँ लागू करने में सक्षम बनाया, जो भारत में एक सशक्त व्यवसाय स्थापित करने में योगदान देंगी।”

अमेरिकी खेल व्यवस्था द्वारा स्कूलों और कॉलेजों को जोड़ना अमेरिकी मॉडल की सबसे प्रमुख विशेषताओं में से एक है खिलाड़ी विकास में शैक्षणिक संस्थानों की मज़बूत भूमिका। स्कूल और कॉलेज खिलाड़ियों के लिए सुव्यवस्थित मार्ग तैयार करते हैं और साथ ही खेलों के व्यावसायिक विकास में भी योगदान देते हैं। वह कहती हैं,‘अमेरिका में स्कूल और कॉलेज, दोनों स्तरों पर खेलों का एकीकरण खिलाड़ी के विकास में महत्वपूर्ण यो गदान देता है। अमेरिका में स्कूलों और कॉलेजों की खेल प्रणाली सुव्यवस्थित है और इसमें व्यावसायिक पहलू भी शामिल है। कई खिलाड़ियों का चयन कॉलेज प्रतियोगिताओं से राष्ट्रीय स्तर की लीग में भाग लेने के लिए किया जाता है, जिससे यह खेल प्रणाली राष्ट्रीय टीमों के लिए एक प्रभावी आधार तैयार कर पाती है।”

उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढाँचे तक पहुँच के महत्व पर भी जोर दिया। उनके अनुसार, प्रारंभिक चरण में पेशेवर सुविधाओं

एक भी शहर स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित नहीं

भारत के अंदर दो भारत की बात करें तो आर्थिक व सामाजिक आधार पर दो विभाजन के साथ साथ भौगोलिक विभाजन के आधार पर भी दो भारत दिखेंगे। यह विभाजन उत्तर और दक्षिण भारत का है। हर मामले में दोनों भौगोलिक इलाकों का अंतर साफ दिखाई देगा। उत्तर भारत या हिंदी पट्टी से बड़ी संख्या में लोग चेन्नई के शंकर नेत्रागल में इलाज के लिए जाते हैं। वहां से लौट कर हर व्यक्ति दक्षिण जाने वाली ट्रेनों की व्यवस्था, साफ सफाई का जिक्र करेगा और यह भी बताएगा कि अस्पताल कितना अच्छा है। दक्षिण के मंदिरों में जाकर लौटने वाले तो उनका गुणगान करते नहीं थकते हैं। खासतौर पर मंदिर की व्यवस्था और सफाई की। लेकिन सवाल है कि मंदिर या अस्पताल या ट्रेन की व्यवस्था उत्तर भारत में भी बेहतर क्यों नहीं हो सकती है वैसे ही सफाई उत्तर भारत में भी क्यों नहीं होती यह बुनियादी अंतर कई चीजों में दिखाई देता है। अगर सिर्फ इस सदी के 25साल की बात करें तो उत्तर और दक्षिण के दो बुनियादी रूप से अलग भारत की तस्वीर और साफ दिखेगी। इस सदी में ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था और आईटी क्रांति के इर्द गिर्द जैसा काम दक्षिण में हुआ है उसके मुकाबले उत्तर भारत में कुछ नहीं हुआ। दक्षिण में होइ लगा कर बेंगलुरू और हैदराबाद ने काम किया। यह बहस छिड़ी कि भारत का सिलिकॉन वैली किस शहर को

कहा जाए। इस तरह की कोई होइ उत्तर भारत के राज्यों में नहीं दिखी। एक तरफ कर्नाटक और आंध्र प्रदेश आईटी और आईटी आधारित सेवाओं की इंडस्ट्री को प्रमोट कर रहे थे तो तमिलनाडु ने दूसरी औद्योगिक इकाइयों को प्रमोट किया। चेन्नई से चारों दिशाओं में सौ किलोमीटर के दायरे में देशी, विदेशी कंपनियों के अनगिनत प्लांट लगे हैं। उधर केरल ने अपने यहां शिक्षा व स्वास्थ्य की सबसे अच्छी व्यवस्था विकसित की। दक्षिण में पिछली एक चौथाई सदी में कई शहर बस गए और कई नए शहर बसाए जा रहे हैं। तेलंगाना में रेंवत रेड्डी की सरकार फोर्थ सिटी बसा रही है। हैदराबाद, सिकंदराबाद और साइबराबाद के बाद अब रंगारेड्डी जिले में फ़्यूचर सिटी के नाम से चौथा शहर बस रहा है। इसके लिए 50हजार एकड़ जमीन लेकर शहर विकसित किया जा रहा है। इस फ़्यूचर सिटी में एआई सिटी, हेल्थ सिटी, एंटरटेनमेंट डिस्ट्रिक्ट और स्पोर्ट्स हब अलग अलग बनाए जा रहे हैं। शहर का अपना मेट्रो और रैपिड रेल सिस्टम होगा। यह एक ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट है यानी पूरी तरह से नया शहर विकसित किया जा रहा है। इसे नेट जीरो की तर्ज पर बसाया जा रहा है यानी शुल्‍य कार्बन उत्सर्जन होगा। इस पर कई लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे और बनने से पहले ही दुनिया की तमाम बड़ी कंपनियों ने वहां लाखों करोड़ के

निवेश का समझौता कर लिया है।

इसी तरह आंध्र प्रदेश में नई राजधानी के तौर पर विजयवाड़ा को विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को नए शहर विकसित करने का अनुभव है। विजयवाड़ा के साथ साथ वे विशाखापत्तनम को भी नए सिरे से विकसित कर रहे हैं। बंदरगाह के साथ साथ विशाखापत्तनम अब डाटा सेंटर का हब बन रहा है। इसके मुकाबले उत्तर भारत में राज्यों की रा जधानियों के आसपास सेटेलाइट शहर बनाने की घोषणाएं हो रही है, जिनका मकसद सिर्फ जमीन के दाम बढ़ाना है। जो नए शहर बसाए गए चाहे वह नोएडा हो या गुरुग्राम उनकी हालत धीरे धीरे नर्क से बदतर होती जा रही है। पानी निकासी जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। बिना किसी योजना के उनके विकास है। सोचें, सेटेलाइट शहर बसाने के लिए उत्कर भारत में पांच सौ और हजार करोड़ रुपए का बजट घोषित होता है। यह वैसे ही जैसे प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने स्मार्ट सिटी की योजना घोषित की थी। इसके तहत एक एक हजार करोड़ रुपए दिए जाने की खबर आई। इतनी रकम में एक या दो अच्छे प्लाइओवर बन जाएं तो वह बड़ी बात होगी। तभी एक भी शहर स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित नहीं हुआ है।

अभी जीवित हैं बशीर बद्र

बशीर बद्र नहीं रहे..... कहना गलत है। बशीर बद्र जीवित हैं। फकत उनका जिम्म सुपुर्द-ए-खाक हुआ है। ही इज स्टिल अलाइव। बशीर बद्र यानी अदब की दुनिया की नामचीन शख्सियत। आधुनिक युग के बेजोड़ और ऊँचे मगार के कवि। वह शाइर थे और शाइर मरा नहीं करते। चूँकि, शेर लिखे नहीं जाते, बल्कि कहे जाते हैं, अतः अपने कहे में वह जीवित हैं और रहेंगे। हर दिल अजीज साहिर को कौन नहीं जानता। बद्र भी साहिर थे। साहिर यानी जादूगर। शब्दों के जादूगर। शब्दों से मायावी संसार जगाने का नायाब हुनर उनके पास था। उन्होंने गजलों को नई जुवां देने का बड़ा का म किया। उन्होंने जद्दोजहद भरी लंबी जिंदगी जी, लेकिन जिंदगी की आखिरी दहाई में वह डिमेंशिया समेत कई रोगों की गिरफ्त में रहे। नतीजतन वह याददाश्त खोने के साथ ही रफ्ता-रफ्ता बोलने और सुनने की सलाहियत में भी वंचित होते गये। जिंदगी की रैनकों और महफिलों से दूर होते जाने से शनैः-शनै : उनके इर्द-गिर्द की दुनिया सिमटती गयी। औरों की तरह वह अपनी पहचान भी भूलते गये, मगर उनके अशआर फिजाओं में गुंजते रहे। वे लोगों के रोजमर्रा के कथोपकथन में प्रविष्ट हो गये।

28 मई को जब उन्होंने आँखें मूंदी तो सोशल मीडिया पर उनकी यादों और श्रद्धांजलियों का सैलाब आ गया। उन्हें सुपुर्द-ए-खाक हुए जुम्मा-जुम्मा आठ रोज बीत गये, लेकिन यह सिलसिला अभी थमा नहीं है। और वह दौर भी कि उनके जनाजे में बीस लोग थे अथवा दो सौ जाहिर है कि यह सब उनकी अहमियत दर्शाता है। बशीर बद्र की रचनाएं खूब पढ़ी जाती हैं। वे रेख्ता पर उपलब्ध हैं और कविता कोश में भी। आज वे प्रसिद्ध शा इर के तहत उनकी जीवनी , गजलों और नज्मों का संपादन कन्हैयालाल नंदन ने किया और‘बशीर अकादेमी ने सन 1999में पुरस्कृत किया और उसी साल उन्हें पद्मश्री से भी नवाजा गया। फिल्म‘मसान में उनकी गजल सुनने को मिली। उनकी गद्य कृतियाँ हैं:‘आजादी के बाद उर्दू गजल

का तनकीदी मुताला और‘बीसवीं सदी में गजल

उनका जन्म 15 फरवरी 1935 को तब के फैजाबाद और आज के बुकिया में हुआ था। पिता सैयद नाजिर और मां आलिया्ा बेगम की इस संतान ने धूपछाँही जीवन बिया।

बशीर साहब ने करीब साठे तीन दहाइयों मीनारों और गुंबदों की सिंफनी के खूबसूरत शहर भोपाल में बितायीं। भोपाल से उनका गहरा तादात्म्य रहा। यूं वे भोपाल के नहीं थे। वह मेरठ से भोपाल आये और भोपाल के होकर रह गये। ताज भोपाली, कैफ भोपाली या मंजर भोपाली और फजल ताबिश की तरह भोपाल से जाने गये और भोपाल उनके होने से। उनका पूरा नाम था सैयद मोहम्मद बशीर बद्र। मगर वह लोक और वांमय्य में बशीर बद्र के नाम से लोकप्रिय हुए। पिता सय्यद नाजिर पुलिस महकमे में मुलाजि्म थे। वालिद के इंतकाफ के बाद परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आयी। तालीम पूरी करने में बहुत व्यवधान आये। तालीम छूटी और कुछ अर्सा पुलिस महकमे में नौकरी भी की। व्यवधान के बाद उन्होंने पढ़ाई से रिश्ता फिर जोड़ा और तालीम के मरकज़ अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से बीए, एमए किया और फिर पीएचडी।

वह शेरों-शायरी कम उम्र से ही करने लगे थे। बताते हैं कि उन्होंने पहला शेर बहुत कम सात वर्ष की उम्र में कहा था, जब उनकी मसें भी नहीं भीगी थीं। शनैः-शनै : कविता से उनका रिश्ता प्रगाढ़ होता गया और जल्द ही वह अदब की अजीमुश्थान शख्सियत हो गये। दिलचस्प किस्सा है कि जब वह एएमयू में छात्र थे, उनके शेर पाठ्यक्रम में शा मिल हो चुके थे। और एकबारगी उनके टीचर ने उन्हें से अपने कहे शेर की व्याख्या करने को कहा। उन्होंने व्याख्या की, मगर उनके कहे से टीचर को संतोष नहीं हुआ और उन्होंने उस शेर की अपने तई व्याख्या की। जाहिर है कि उनकी शायरी गहरी और व्यापक थी और अपने-अपने नजरिये से उसके मायने बुझने की गुंजाइश थी।

बहरहाल देखते ही देखते यह नाम टकसाली सिक्रे सा चल निकला। वह सुशायरों और कवि सम्मेलनों में छा गया। वह अपने अशआर से महफिलें लूटते। प्रायः वह अपनी रोबीली, कलफदार आवाज में शेर पढ़ते और पंक्तियों को बलाघात के भरण दोहराते थे।

बशीर साहब ने सन् 1969 में स्नातकोत्तर की उपाधि हासिल की

और 27अगस्त, 1974को मेरठ कॉलेज में बतौर लेक्चररर उर्दू विभाग ज्वाइन किया। 12अगस्त , 1974को मेरठ कॉलेज में बतौर उर्दू विभाग ज्वाइन किया। वह वहां सन् 1990तक रहे, मगर इस बीच एक बड़ा हादसा हुआ। सन् 1987में मेरठ सांप्रदायिक दंगे की चपेट में आ गया। दंगाइयों ने उनका घर फूंक दिया। उनका घर क्या जला, उनका मकान, किताबें, फाइलें, डायरियां, माल-असबाब सब राख के ढेर में तब्दील हो गये। यह एक बड़ा आघात था। इस वाक्ये ने उन्हें दर्द की तेजाबी बारिश में भिगो दिया। इस दर्द की टीस बरबस उनके शेर में उभरी। उन्होंने लिखा:

लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में,

तुम तरस नहीं खाते बस्तियाँ जलाने में।

उनका लिखा दीवान तीन खंडों की शकल में अभी आने को है, मगर

अब तक उपलब्ध उनके साहित्य को पढ़ जाइये। कहीं भी तल्खी नहीं , अपशब्द या गाली-गलौज नहीं। उनका सलीका और सलूक उन्हें औरों से अलग करता है। वह न हिकारत से थूकते हैं, न कनपटी बजाते हैं और न ही गुस्से में चीजें फेंकते हैं। वह तंज कसते हैं, लानत-मलामत भी करते हैं, लेकिन शालीनता या भद्रता नहीं छोड़ते। वह एहतराम के काइल हैं। यह फरमाते हैं:

इबादतों की तरह मैं ये काम करता हूँ,

मेरा उसूल है, पहले सलाम करता हूँ।

मुखालिफत से मेरी शख्सियत सँवरती है,

मैं दुश्मनों का बड़ा एहतराम करता हूँ।

उनमें इंसानियत का गजब का जज्बा है। वह दुश्मनी में भी उसूल के

पावंद हैं, लिहाजा इतनी दुश्मनी की ताईद करते हैं कि मुलाकात हो तो शर्मिंदगी न हो। सच से उनकी आशानाई देखिये:

बड़े शौक से मेरा घर जना,

कोई आँच तुझ पर न आयेगी।

ये जुवां किसी ने खरीद ली,

ये कलम किसी का गुलाम है।

बशीर साहब की शायरी पर गौर करें तो बि्ला शक वह इंसानियत के तकाजों की बात करते हैं। वह हमारे जमाने की तस्वीर को कम, रूह को ज्यादा छूते हैं। वह तथ्यों के बहाने मर्म को उद्घाटित करते

हैं। उनकी शायरी जिंदगी के फलसफे की शायरी है। वहाँ कलुष नहीं है। वह निर्मल है। उनकी शायरी निर्मल निष्पाप बच्चे सी है। बशीर के अशआर बातें करते हैं। वहाँ चित्त से चित्त का संवाद है। कहीं लागलपेट नहीं, आडंबर नहीं, मूलम्मा नहीं। मेरे जाने वह हमारे वक्त के और शायद कविता के इतिहास के सरलतम कवि हैं। वह इतना सरल लिखते हैं कि ताजुब होता है। वह अपनी गजलों से विस्मय उपजाते हैं। वे कर्ण-कुहरों से सीधे हृदय में उतरते हैं और वहाँ डेरा जमा लेते हैं। एक नहीं, डेरों उदाहरण हैं। उनका कवि-कर्म उदाहरणों का समुच्चय-या लड़ी है। वह के स्याह बोगदे में उनकी शायरी रोशनी की लकीर है। उनकी बहुतेरी पंक्तियाँ मुहावरों की मानिंद प्रयुक्त होने लगी हैं।

कुछ तो मजबूरियाँ रही होंगी,

यूँ कोई बेवफा नहीं होता।

या फिर

कोई हाथ भी न मिलायेगा,

जो गले मिलोगे तपाक से।

ये नये मिजाज का शहर है,

जरा फासले से मिला करो।

वह कहते हैं:

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो,

न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाये।

इबादत पर कितनों ने क्या कुछ नहीं कहा है। अलग-अलग

शब्दावली , अलग-अलग अंदाज, बशीर साहब का अंदाज-ए-बयॉ

देखिये:

वो बड़ा रहीम-ओ-करीम है,

मुझे ये सिफत भी अता करें।

तुझे भूलने की दुआ कर्ऊ,

तो मेरी दुआ में असर न हो।

अब आप ही बतायें, ऐसी दुआ तो कोई नेकदिल शख्स ही कर सकता

है या फिर वह जिसकी रूह पाक हो। पाकीजगी की एक और

मन:स्थिति देखिये:

अभी राह में कई मोड़ हैं,

कोई आयेगा, कोई जायेगा।

स्वामी, प्रकाशक राजेश त्यागी एवं मुद्रक अभिन्न कुमार द्वारा अभी प्रिटिंग प्रेस 17, जी पत्नोर, नियर पीठ बाजार पुलिया जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड

249408 से मुद्रित कर 1030, सेक्टर 18, ब्लाक ई, ओमेक्स सिटी, सोनीपत, हरियाणा-131029 से प्रकाशित किया। संपादक: राजेश त्यागी 9250993497

विटामिन सी की कमी पूरी करने के लिए कौन सा जूस पीना चाहिए, वजन घटाने, इम्यूनिटी बढ़ाने में मिलेगी मदद

शरीर को स्वस्थ रखने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए विटामिन सी बहुत जरूरी पोषक तत्व है। विटामिन सी कोलेजन के उत्पादन , घाव भरने, आयरन को शरीर तक पहुंचाने और त्वचा को हेल्दी रखने में मदद करता है। विटामिन सी को हमारा शरीर स्टोर नहीं करता, इसलिए रोजाना अपनी डाइट में कुछ विटामिन सी से भरपूर चीजें शामिल करें। सप्लीमेंट्स से बेहतर होगा कि जूस, फल, सब्जियों से विटामिन सी की कमी को पूरा करें। ऐसे कई फल हैं जिनका जूस पीने से विटामिन सी की कमी पूरी होती है। डाइटिशियन स्वाति सिंह की मानें तो बैलेंस डाइट के साथ कुछ ऐसी चीजों को नियमित खाएं जिससे विटामिन सी की कमी पूरी हो सके। इसके लिए विटामिन सी से भरपूर फल या उनका जूस डाइट में शामिल करें।

संतरे का जूस- विटामिन सी के मुख्य और प्राकृतिक स्रोतों में से संतरा सबसे आगे है। रोजाना 1 गिलास संतरे का रस पीने से विटामिन सी की कमी को पूरा किया जा सकता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाव में सहायक होते हैं। इसके लिए ताजा संतरे का जूस पीएं। बाजार वाले पैकड मीठे जूस पीने से फायदा नहीं मिल पाएगा।

आंवला का रस- ताजा आंवले का रस पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इससे आपकी पूरे सेहत में सुधार आता है। आंवला एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है। इसके लिए ताजा आंवले का सेवन करें। आंवले का स्वाद तेज और खट्टा होता है। आप इसके जूस में काला नमक डालकर पी सकते हैं। आंवला में दूसरे फलों से ज्यादा विटामिन सी होता है।

अमरूद की स्मूदी- फलों में अमरूद को विटामिन से भरपूर माना जाता है। अमरूद को दूध या दही के साथ मिलाकर स्मूदी बनाकर खाने से फायदा मिलेगा। इससे भरपूर फायदा होगा, हां स्मूदी में चीनी और मिलाई गई हो। अमरूद खाने से विटामिन सी, फाइबर, प्रोटीन और कई विटामिन मिलेंगे। दोपहर के समय या एक्सरसाइज के बाद स्मूदी पीना एक अच्छा विकल्प है।

कीवी स्मूदी- कीवी भी विटामिन सी से भरपूर फल है। अगर आप



इसमें कुछ ब्लूबेरी मिलाकर स्मूदी बनाते हैं तो इससे काफी हद विटामिन सी की कमी को पूरा किया जा सकता है। कीवी, स्ट्रॉबेरी और दूसरी बेरीज में प्राकृतिक रूप से विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है। जब आप इन्हें सादे दही या प्लांट बेस्ड दूध के साथ मिलाकर पीते हैं, तो इसके गुण और बढ़ जाते हैं।

नींबू पानी- विटामिन सी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू का

इस्तेमाल करें। रोजाना सुबह उठते ही एक गिलास नींबू पानी पीना विटामिन सी की भरपूर मात्रा पाने का आसान तरीका है। हालांकि सिर्फ नींबू पानी से विटामिन सी की दैनिक कमी पूरी नहीं हो पाती है। इसके साथ आपको दूसरे फल भी शामिल करने चाहिए, जो विटामिन सी से भरपूर होते हैं। अनानास का जूस पीने से भी थोड़ा विटामिन सी मिल जाता है।

अंडरआर्म्स काले क्यों पड़ते हैं डाक्टर से जानें इसके कारण और बचाव के तरीके

डार्क अंडरआर्म्स की वजह से महिलाओं में अक्सर आत्मविश्वास की कमी देखी जाती है। अंडरआर्म्स की ज़िद्दी टैनिंग को दूर करने के लिए महिलाएं कई तरह के नुस्खे आजमाती हैं। ऐसे में डर्मफॉलक्स हेयर ट्रांसप्लान्ट स्किन क्लिनिक की फाउंडर और



एमबीबीएस , एमडी, डर्मेटोलॉजिस्ट एवं एस्थेटिक फिजिशियन डॉ. आंचल पंथ, कहती हैं कि अंडरआर्म्स का एरिया हल्का डार्क ही होता है तो उतना सोचने की ज़रूरत नहीं है लेकिन लेकिन अगर आपके अंडरआर्म्स पर स्किन की मोटी लेयर है और वह तीन शेड से ज़्यादा डार्क है तो आपको इसे गंभीरता से लेना चाहिए। चलिए डॉक्टर से जानते हैं कि अंडरआर्म्स डार्क क्यों होता है और समय रहते उसकी उचित देखभाल क्यों जरूरी है। तो चलिए जानते हैं अंडरआर्म्स काले क्यों पड़ते हैं और इससे बचाव के लिए क्या करना चाहिए।

डॉ. आंचल पंथ के अनुसार, अधिक वजन होने पर अंडरआर्म्स की त्वचा आपस में ज्यादा रगड़ खा ती है। लगातार होने वाला यह फ्रिक्शन त्वचा में पिगमेंटेशन बढ़ा सकता है, जिससे अंडरआर्म्स का रंग गहरा होने लगता है। अगर आप बहुत टाइट कपड़े पहनते हैं तो इस वजह से भी अंडरआर्म्स काले पड़ने लगते हैं। पोस्ट इम्प्लेमेंटरी हाइपरपिग्मेंटेशन भी एक वजह हो सकती है। यानी कि अगर कभी आपको अंडरआर्म्स के पास चोट लगी हो तो उस वजह से भी स्किन डार्क हो सकती है-जैने बैक्स। बैक्स करने की वजह से स्किन पील हो जाती इस वजह से वहां की स्किन डार्क हो जाती है।

पाचन तंत्र से लेकर वजन घटाने तक में कारगर है हींग का पानी, जानें सुबह खाली पेट पीने के फायदे

हींग को भारतीय रसोई की शान कहा जाता है। ये सिर्फ दाल और सब्जियों में तड़का लगाने के काम ही नहीं आती, बल्कि यह सेहत का खजाना भी है। आयुर्वेद में हींग को औषधि माना गया है। अगर आप अपने दिन की शुरुआत चाय या कॉफी के बजाय सुबह खाली पेट हींग के पानी से करते हैं, तो यह आपके शरीर के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा। आयुर्वेद में हींग को उसके पाचक और औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। जब आप अपने दिन की शुरुआत इस हल्के गुनगुने पानी के साथ करते हैं, तो यह आपके शरीर को अंदर से साफ करने और कई समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। ऐसे में चलिए जानते हैं सुबह खाली पेट हींग का पानी पीने से क्या क्या फायदे होते हैं।

1.पाचन तंत्र के लिए

आज के समय में गलत खान-पान के कारण गैस , एसिडिटी और ब्लोटिंग बेहद आम समस्याएं हैं। हींग में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो पाचक एंजाइमों को सक्रिय करते हैं। सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से पेट का भारीपन कम होता है और पाचन क्रिया दुरुस्त होती है।

2.वजन घटाने में मददगार

अगर आप बढ़ते वजन या सुस्त मेटाबॉलिज्म



से परेशान हैं, तो हींग का पानी एक बेहतरीन डिटॉक्स ड्रिंक सा बित हो सकता है। यह शरीर के मेटाबॉलिक रेट को बढ़ाता है, जिससे कैलोरी तेजी से बर्न होती है। यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है, जिससे फैट बर्निंग प्रोसेस तेज होता है।

3.ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर का नियंत्रण

हींग में इंसुलिन के डिस्चार्ज को बढ़ाने वाले गुण होते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को संतुलित रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा, इसमें मौजूद कौमारिन नामक तत्व ब्लड को पतला करने और ब्लड सर्कुलेशन

को सुधारने में मदद करता है, जिससे हार्ट ब्लड प्रेशर की समस्या में राहत मिलती है। 4.श्वसन तंत्र और सर्दी-खांसी बदलते मौसम में हींग का पानी छाती में जमे वलगम को कम करने में मदद करता है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं जो अस्थमा , सूखी खांसी और सर्दी-जुकाम के लक्षणों को कम करने में प्रभावी हैं।

हींग का पानी बनाने का सही तरीका एक गिलास गुनगुने पानी में सिर्फ एक से दो चुटकी हींग पाउडर मिलाएं। इसे अच्छी तरह घोलें और सुबह ब्रश करने के बाद खाली पेट घूंट-घूंट करके पिएं।

क्या आपके बासमती चावल से भी नहीं आती खुशबू इस ट्रिक से बनाएंगे तो घर में फैल जाएगी महक

भारतीय खाने में चावल अहम भोजन में शामिल है। थाली में रोटी और चावल को कंप्लीट फूड माना जाता है। अगर चावल को अच्छी तरह से बनाया जाए तो खाने में स्वाद आता है और खुशबू पूरे घर में फैल जाती है। लेकिन कई बार लोगों की शिकायत होती है कि बासमती चावल में खुशबू नहीं आती। वैसे असली बासमती चावल खुशबूदार बनते हैं। लेकिन गलत तरीके से और जल्दबाजी में पके चावल में खुशबू कम आती है। आज हम आपको बासमती चावल बनाने की ऐसी ट्रिक बता रहे हैं जिससे आपके चावल का एक-एक दाना खिला हुआ बनेगा और इसका अरोमा पूरे घर में महकने लगेगा। जानिए चावल बनाने का सही तरीका क्या है

बासमती चावल बनाने का सही तरीका पहली ट्रिक- अगर आप बासमती चावल को खिला-खिला , लंबा और खुशबूदार बनाना चाहते हैं तो इसके लिए चावल कैसा है उससे कहीं ज्यादा चावल को कैसे पकाया गया है ये मायने रखता है। सबसे पहले चावल को 2030 मिनट पानी में भिगो दें। पानी में भिगोकर बनाने से चावल अच्छी तरह से फूलते हैं और लंबे होते हैं। ऐसे चावल एक समान पकते हैं और उनकी खुशबू ज्यादा बेहतर आती है। दूसरी ट्रिक- कुछ लोग चावल को बहुत



रगड़-रगड़ कर धोते हैं। जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। पानी में भिगोने के बाद चावल को 1-2बार बहुत हल्के हाथ से साफ पानी से धो लें। ज्यादा धोने से चावल की सुगंध और कुछ पोषक तत्व कम हो सकते हैं।तीसरी ट्रिक- अब चावल को पकाने के लिए सही पानी की मात्रा होना जरूरी है। अगर आपने 1कप चावल लिए हैं तो इसके लिए करीब लगभग 1.5 से 2 कप पानी जरूरी है। अगर चावल अच्छे भीगे हैं तो 1.5 कप पानी भी पर्याप्त होता है। ज्यादा

पानी डालने से चावल चिपचिपे हो सकते हैं और खुशबू भी कम महसूस होती है। चौथी ट्रिक- अब चावल की खुशबू बढ़ाने वाला सबसे जरूरी स्टेप है, कि चावल को पकाते वक्त उसमें 1-2 चम्मच घी का इस्तेमाल करें। अगर कुकर में चावल बना रहे हैं तो पहले 1-2 चम्मच घी डालकर उसमें चावल डालें। अगर आपको जीरा राइस पसंद हैं तो घी के साथ थोड़ा जीरा भी डाल दें। अब चावल को मीडियम फ्लेम पर 2सीटी आने तक पकाएं।

डाक्टर ने बताया राजगिरा क्यों है सुपरफूड, सही तरीके से खाएंगे तो मिलेंगे कई बेहतरीन फायदे



राजगिरा यानी अमरंथ के अनाज का इस्तेमाल अक्सर व्रत में कि या जा ता है। लेकिन गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वाल्त्य अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि यह अनाज आने वाले समय में सुपरफूड बन सकता है। यह नेचुरली ग्लूटेन फ्री होने के साथ प्रोटीन , कैल्शियम, आयरन और फाइबर से भरपूर है और इसमें 9एसेंशियल अमीनों एसिड पाए जाते हैं। इसमें मौजूद एक अमीनों एसिड लाइसिन, कोलेजन फॉर्मेशन, कैल्शियम अक्सॉर्थन, टिशू रिपेयर और मसल रिकवरी के लिए बहुत जरूरी होता है। एक कप पकाए हुए राजगिरा में 9ग्राम प्रोटीन होता है और 5 ग्राम फाइबर मिलता है। यानी यह अनाज आपको एक साथ कई फायदे दे सकता है। चलिए जानते हैं इसके फायदे और सेवन का सही तरीका

राजगिरा का सेवन करने से मिलते हैं कौन से फायदे

पाचन करता है बेहतर: अमरंथ आपके पाचन प्रक्रिया को बेहतर करने में बेहद लाभकारी है। इसमें मौजूद फाइबर कॉन्स्टिपेशन और ओवर ईटिंग दोनों को कंट्रोल करने में मददगार है।

प्रोटीन और फाइबर का संतुलन: राजगिरा में

प्रोटीन और फाइबर दोनों प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराते हैं और बार-बार भूख लगने की समस्या को रोकते हैं। हड्डियां बनती हैं मजबूत: राजगिरा,कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर होने की वजह से हड्डियों को मजबूत बनाता है। यह अनाज ऑस्टियोपोरोसिस को कम करने में भी अत्यधिक प्रभावी है ब्लड शुगर करता है कन्ट्रोल: अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो इसका डाइट में ज़रूर सेवन करें। राजगिरा कार्ब्स के अक्सॉर्थन को स्लो डाउन कर के ब्लड शुगर स्पाइक को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह पूरी तरह से ग्लूटेन फ्री है, जिससे यह ग्लूटेन संवेदनशीलता वाले मधुमेह रोगियों के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प बन जाता है

राजगिरा के अनाज का सेवन आप आटे के फॉर्म में कर सकते हैं। आप इसका आटा अपने रेगुलर आटे में मिलाकर इसका सेवन करें। इसके अलावा आप इसे दलिया के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके साबुत दानों को दूध में पकाकर ड्राई फ्रूट्स के साथ आप इसका सेवन खीर की तरह भी कर सकते हैं। हालांकि, इसकी रोटियां बेहद फायदेमंद मानी जाती है।

घर पर कैसे बनाएं ढाबा स्टाइल भुना चिकन मसाला

भुना चिकन मसाला सिर्फ एक डिश नहीं, बल्कि स्वाद का एक ऐसा मेल है जिसका नाम सुनते ही अच्छे-अच्छे खाने के शौकीनों के मुंह में पानी आ जाता है। भारतीय रसोई की इस क्लासिक



और बेहद लोकप्रिय डिश की खुशबू ही इतनी कमाल की होती है कि यह किसी की भी भूख को दोगुना कर दे। इस लाजवाब डिश की असली जान इसके गाढ़े, लिपटे हुए मसाले और चिकन को पकाने के खास तरीके में है।'भुना' शब्द का मतलब ही है मसालों को धीमी आंच पर तब तक भूनना, जब तक कि वे अपना तेल न छोड़ दें और उनका कच्चापन पूरी तरह से गा यव न हो जाए। अगर आप भी ढाबा स्टाइल भुना चिकन मसाला बनाना चाहते हैं तो यहां से रेसिपी नोट कर लें।

सामग्री

चिकन: 500ग्राम

प्याज: 3बड़े

टमाटर: 2

दही: 3बड़े चम्मच

अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1.5चम्मच

खड़े मसाले: 1 तेजपत्ता , 1 दालचीनी का टुकड़ा, 3-4 हरी इलायची, 1बड़ी काली इलायची, 4-5लौंग।

पिसे मसाले: 1 चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच धनिया पाउडर, आधा चम्मच हल्दी, आधा चम्मच जीरा पाउडर, 1चम्मच गरम मसाला और आधा चम्मच कसूरी मेथी।

तेल/घी: 4बड़े चम्मच

हरा धनिया: बारीक कटा हुआ

सबसे पहले चिकन को अच्छे से धोकर एक वाउल में निकाल लें। इसमें थोड़ा सा नमक, आधा चम्मच हल्दी, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर और एक चम्मच नींबू का रस मिलाकर 20से 30 मिनट के लिए रख दें।

हार्ट अटैक से एक महीने पहले शरीर देता है इस तरह के संकेत, डाक्टर बिमल छाजेर ने दी जरूरी चेतावनी



आजकल की बदलती जीवनशैली में देश में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अब कम उम्र के युवा भी हार्ट अटैक की चपेट में तेजी से आ रहे हैं। ऐसे में साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक, एमबीबीएस और एमडी, डॉक्टर बिमल छाजेर, बता रहे हैं कि हार्ट अटैक से एक महीने पहले शरीर के किस तरह के संकेत दिखते हैं जिसे पहचानकर अपना बचाव कर सकते हैं। हार्ट अटैक से एक महीने शरीर में दिखते हैं ये लक्षण छाती में तकलीफ: अगर छाती में अचनाक से बहुत ज़्यादा डिस्कॉफ्ट या प्रेशर फील होता है तो यह एक लक्षण हो सकता है। अगर पहले ऐसा नहीं होता था लेकिन इस बीच कभी कभी चेस्ट में टाइटनेस , प्रेशर, हेविनेस या जलन जैसा महसूस हो रहा है लेकिन थोड़ी देर के बाद ठीक हो जा रहा है तो इसे हलके में न लें। यह हार्ट की बीमारी का पैटर्न है इसलिए तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। सांस का फूलना: अगर ज़रा भी चलने पर सांस फूलने की समस्या हो रही है, चलते समय अगर आप बोल रहे हैं और सांस फूल रही है या फिर सीढ़ियां चढ़ने पर भी हांफने लगते हैं तो इसे चेतावनी की तरह मानो। खासकर, यह ओल्ड एज

और डायबिटीज वालों को यह समस्या ज़्यादा होती है। थक जाना: अगर आप बहुत जल्दी थक जा रहे हैं तो यह भी एक लक्षण हो सकता है। अगर रूटीन काम करते हुए भी आपको यह लगे कि बॉडी साथ नहीं दे रहा है तो हो सकता है कि आप दिल के मरीज बन गए हों इसलिए एक बार डॉक्टर को ज़रूर दिखाएं। दोनों हाथों में दर्द: अगर आपको दोनों हाथ में, गर्दन में, जबड़े में, कंधों के आसपास या फिर बैक साइड में रह कर दर्द होता है तो इसे सामान्य समझने की गलती न करें। यह भी हार्ट अटैक का एक साइलेंट संकेत हैं। कोल्ड स्वेटिंग: अगर आपको ठंड में भी पसीना आ रहा है तो यह भी एक लक्षण हो सकता है। भूक नहीं लग रहा, चक्कर आ रहा है आपको अक्सर उल्टी जैसा महसूस हो रहा है तो यह भी कमजोर हार्ट का सिगल है। नींद बार बार टूटना: अगर आपकी नींद बार बार टूट रही है या आपको जल्दी नींद नहीं आ रही है तो यह भी हार्ट अटैक के लक्षणों में से एक है। अगर आपको महीने में ऐसा कई बार हो रहा है तो आपको डॉक्टर से ज़रूर मिलना चाहिए।

नेशनल फिल्म अवार्ड जीतने के बाद ममूटी और धनुष ने साथ मनाया जश्न

साउथ सुपरस्टार ममूटी और धनुष की डायरेक्टर राजकुमार पेरियासामी और एडिटर आर. कलाईवानन के साथ आने वाली फिल्म 'OM के सेट पर नेशनल अवॉर्ड जीतने का जश्न मनाया गया। इस जश्न की ममूटी ने सोशल मीडिया पर दो तस्वीरें शेयर की हैं और उन्हें मिले प्यार के लिए सभी का आभार जताया। ममूटी ने 'ब्रमायुगम फिल्म में अपनी एक्टिंग के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड जीता। धनुष ने 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में दो सम्मान जीते। एक उनकी डायरेक्ट की हुई फिल्म'रायन के लिए, जिसने बेस्ट तमिल फिल्म का अवॉर्ड जीता और दूसरा 'कैप्टन मिलर' में उनकी एक्टिंग के लिए उन्हें'स्पेशल मेशन(बेस्ट एक्टर) मिला। ममूटी-धनुष ने नेशनल अवॉर्ड जीतने का जश्न मनाया ममूटी ने'OM के सेट पर नेशनल अवॉर्ड जीतने की खुशी में धनुष, आर. कलाईवानन और राजकुमार पेरियासामी के साथ केक काटते हुए अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं। तस्वीरें पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, OM के सेट पर धनुष, राजकुमार पेरियासामी और आर. कलाईवानन के साथ हमारे नेशनल अवॉर्ड जीतने का एक छोटा सा जश्न। सभी के प्यार और शुभकामनाओं के लि ए आभारी हूं। यह ममूटी का चौथा और धनुष के करियर का छठा नेशनल अवॉर्ड है। इसके पहले मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता ममूटी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा 23 जून 2026को देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। राजकुमार और कलाईवानन को भी नेशनल अवॉर्ड से किया सम्मानित ममूटी और धनुष के अलावा राजकुमार पेरियासामी को'अमरन के लिए बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला, जबकि आर. कलाईवानन ने इसी फिल्म के लिए बेस्ट एडिटिंग कैटेगरी में नेशनल अवॉर्ड जीता। नेशनल अवॉर्ड जीतने के बाद चारों ने साथ में इस जीत का जश्न मनाया। जीत के बाद धनुष ने भी एक नोट में लिखा,एक एक्टर के



तौर पर यह मेरा तीसरा नेशनल अवॉर्ड है, लेकिन 'रायन' को डायरेक्ट करने के लिए मिली पहचान मेरे आर्टिस्टिक सफर में एक अलग ही पड़ाव है। पहली बार मिली कोई चीज हमेशा यादगार होती है। कब रिलीज होगी OM

OM: चैप्टर 1 उधिरम - द ब्लड वुड एक आने वाली तमिल एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें धनुष, ममूटी, साई पल्लवी और श्लीला मुख्य भूमिकाओं में हैं। राजकुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 16अक्टूबर को दुनिया भर में रिलीज होने वाली है। ये फिल्म वंडरबार फिल्मस और आर टेक स्टूडियोज की मदद से बनाई जा रही

इच्छाधारी नागिन बनीं मीनाक्षी शेपाद्रि, वीन की धुन पर जंगल में किया डांस, दिखाया 37 साल पहले वाला अवतार

बॉलीवुड में 80और 90के दशक के दौर में'इच्छाधारी नागिन पर कई फिल्में बनीं और दर्शकों के बीच खूब पसंद भी की गई। जब



भी सिनेमाघरों में'इच्छाधारी नाग-नागिन पर बनीं कहानियां आईं , दर्शकों से इन्हें जबरदस्त रि सॉन्स मिला। इस दौर में मीनाक्षी शेपाद्रि ने भी इच्छाधारी नागिन की भूमिका निभाई थी। अब हाल ही में उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए उस सुनहरे दौर को याद किया जब बॉक्स ऑफिस पर इच्छाधारी नाग-नागिन वाली फिल्मों का दबदबा हुआ करता था। मीनाक्षी शेपाद्रि अक्सर ही सोशल मीडिया पर पुराने दिनों की यादें शेयर करती रहती हैं और इस बार भी उन्होंने अपना नया वीडियो शेयर किया और उन दिनों को याद किया जब सिनेमाघरों में नाग-नागिन पर बनी फिल्में दर्शकों की पहली पसंद हुआ करती थीं।

मीनाक्षी शेपाद्रि ने हाल ही में जो वीडियो शेयर किया है, उसने वह'इच्छाधारी नागिन बनी नजर आ रही हैं और जंगल में डांस करती दिख रही हैं। नागिन के गेटअप में नजर आ रहीं मीनाक्षी शेपाद्रि ने इस वीडियो के जरिए 80के दशक की यादें ताजा कीं। उन्होंने इस वीडियो के जरिए अपनी फिल्म'नाचे नागिन गली गली' से जुड़ी यादें ताजा कीं, जो 37साल पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में मीनाक्षी ने टीवी के श्रीकृष्णा यानी नितीश भारद्वाज ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

मेरे पापा भी ऐसा नहीं करते, राम कपूर के किस करने पर लाक अप में फूटा श्रेया कालरा का गुस्सा, शिवांगी के करीब आने पर भड़के फैंस

रियलिटी शो'लॉक अप: सच या सजा के हालिया एपिसोड में एक बड़ा विवाद सामने आया है, जिसने कंटेस्टेंट श्रेया कालरा और वरिष्ठ अभिनेता राम कपूर को चर्चा में ला दिया है। शो में हुए ताजा लीडरशिप टास्क के बाद घर का माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। इस टास्क के दौरान घरवालों के वोटों के आधार पर शिवांगी जोशी को सबसे ज्यादा वोट मिले और वे पहली टीम लीडर बनीं , जबकि आकांक्षा चमोला दूसरे स्थान पर रहकर दूसरी लीडर चुनी गईं। इस प्रक्रिया के खत्म होने के बाद लॉकर रूम एरिया में श्रेया कालरा का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने एक्स्ट्रे शि ल्पा शि दे से बात करते हुए राम कपूर के व्यवहार पर तीखे सवाल उठाए।

पर्सनल स्पेस और हाइजीन को लेकर लगाए आरोप लॉकर रूम में बातचीत के दौरान श्रेया ने शिवांगी के टास्क के वक्त हुई एक घटना का जिक्र किया। श्रेया ने आरोप लगाया कि जब शिवांगी अपना टास्क कर रही थीं, तब राम कपूर उनके बेहद करीब आ गए थे। उस वक्त को-कंटेस्टेंट हर्षद चोपड़ा ने उन्हें टोकते हुए पीछे हटने को कहा था, जिस पर राम कपूर ने तुरंत माफी मांग ली थी। इस पर नाराजगी जताते हुए श्रेया ने कहा कि बात-बात पर सॉरी बोलने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने राम कपूर के बात करने के तरीके पर भी आपत्ति जताई और दावा किया कि बोलते समय उनके मुंह से थूक की बुंदें उड़ती हैं, जिससे वहां मौजूद लोगों को असहजता होती है।

चुंबन की घटना और वरिष्ठता पर उठाए सवाल श्रेया कालरा यहीं नहीं रुकीं, उन्होंने अपनी पर्सनल बाउंड्री का मुद्दा उठाते हुए राम कपूर पर बेहद गंभीर आरोप लगाए। श्रेया ने एक पुरानी घटना को याद किया जब उन्होंने एक टास्क जीता था और राम कपूर



को सुरक्षित किया था, जिसके बाद अभिनेता ने उनके गाल पर किस किया था। श्रेया ने कहा ,हर इंसान को एक दायरा बनाकर रखना चाहिए। इस बार अगर उन्होंने मुझे दोबारा चूमने की कोशिश की, तो मैं उनका मुंह पकड़कर सीधे कह दूंगी कि मेरे पिता भी मुझे इतना प्यार नहीं जताते, इसलिए मुझसे दूर रहें। उन्होंने आगे कहा कि वह तीन बार राम कपूर को शो में बचा चुकी हैं, लेकिन बदले में उन्हें कोई सहयोग नहीं मिला। श्रेया ने सीनियर होने के नाते राम कपूर को मिलने वाले सम्मान पर भी तंज कसा और कहा कि वे ऐसे सीनियर होने पर शर्मिदा हैं। सोशल मीडिया पर राम कपूर की आलोचना श्रेया कालरा के इस बयान का वीडियो सामने आने के बाद इंटरनेट पर राम कपूर के व्यवहार को लेकर बहस छिड़ गई है। सोशल मीडिया यूजर्स और शो के दर्शक राम कपूर की जमकर आलोचना कर रहे हैं। कई यूजर्स ने इस वीडियो क्लिप को शेयर करते हुए अभिनेता की खिचाई की और सवाल

उठाया कि एक सीनियर कलाकार का ऐसा व्यवहार बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। लोगों का कहना है कि शो के भीतर किसी भी महिला कंटेस्टेंट की मर्जी और उनकी पर्सनल स्पेस का सम्मान किया जाना चाहिए। हालिया एपिसोड में वरुण भोला का भी सीक्रेट रिवील हुआ है। कैसा है शो का मौजूदा फॉर्मेट बता दें कि'लॉक अप: सच या सजा के इस दूसरे सीजन को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। इस बार घर में आकांक्षा चौधरी, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, आकांक्षा चमोला , सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर और वरुण यादव जैसे सितारे बंद हैं। साल 2022 में आए इसके पहले सीजन को कंगना रनौत ने होस्ट किया था, जिसकी ट्रॉफी मुनव्वर फारूकी ने जीती थी। इस बार छह हफ्ते के खेल में 14प्रतियोगी हिस्सा ले रहे हैं, जिन्हें बुनियादी सुविधाओं, भोजन और विशेषाधिकारों को हासिल करने के लिए कठिन टास्क पूरे करने पड़ रहे हैं।

पल्ली चट्टम्बी की ओटीटी रिलीज डेट हुई कंफर्म, 24जुलाई से सोनी लिव पर देख सकेंगे टोविनो थामस की ये फिल्म

मलयालम सिनेमा के जाने-माने एक्टर टोविनो थॉमस की फिल्म पल्लीचट्टम्बी 15अप्रैल 2026को



सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस पीरियड एक्शन-थ्रिलर फिल्म से मे कर्स को बड़ी उम्मीदें थीं , लेकिन ये बॉक्स ऑफिस पर खास परफॉर्म नहीं कर पाई. वहीं फैंस इस फिल्म की ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फाइनली अब ये फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है. चलिए यहां जानते हैं ये फिल्म किस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कब और कहां रिलीज होगी. पल्लीचट्टम्बी का प्रीमियर 24 जुलाई 2026 से ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर होने वाला है.

स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर इसकी अनाउंसमेंट की है. डिजो जोस एंटनी के डायरेक्शन में बनी फिल्म पल्लीचट्टम्बी में कयाडु लोहर , विजय राघवन और जॉनी एंटनी जैसे एक्टर्स भी हैं. फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी कैमियो भूमिका में हैं.

1950 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित पल्लीचट्टम्बी की कहानी कृष्णा पिल्लई(टोविनो थॉमस) के इर्द-गिर्द घूमती है. बचपन में एक क्रूर हमले में अपना परिवार खोने के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है. इसके बाद एक पुजारी और कुछ स्थानीय परिवार उनका पालन-पोषण करते हैं. हालांकि, किस्मत उसे एक और बड़ा झटका देती है. इसके बाद कृष्णा पिल्लई अन्याय के खिलाफ लड़ते का फैसला करता है और अपने हक के लिए संघर्ष की राह पर निकल पड़ता है.सालों बाद कृष्णा पोथन क्रिस्टोफर के नाम से कानियार गांव पहुंचते हैं. अपने अच्छे स्वभाव, बहादुरी और लोगों की मदद करने की आदत की वजह से वो जल्द ही गांव वालों का भरोसा और सम्मान जीत लेते हैं. इसी दौरान उनकी मुलाकात रेबेका से होती है. दोनों धीरे-धीरे एक-दूसरे के करीब आते हैं. रेबेका का सपना है कि वो गांव में एक ऐसा स्कूल खोले, जहां हर बच्चे को पढ़ते का मौका मिल सके.

फिल्म पल्लीचट्टम्बी की कहानी एस. सुरेश बाबू ने लिखी है. इसके गानों और बैकग्राउंड स्कोर का जिम्मा जेक्स बेर्जाय ने संभाला है.

पहले ब्रेकअप के बाद टूट गए थे हर्षद चोपड़ा, लाक अप 2 में बयां किया दर्द, बोले मैंने अपना हाथ काट लिया था

लॉक अप 2 के जजमेंट डे एपिसोड के दौरान हर्षद चोपड़ा ने अपनी एक पर्सनल बात शेयर की, जिस के बारे में सुनकर घर में सभी भावुक हो गए। शनिवार को एलिमिनेशन के खतरे में तीन कंटेस्टेंट हर्षद चोपड़ा, योगेश रावत और सूफी मोतीवाला थे। हर्षद ने सबसे पहले बजर दबाया, जिससे उनकी सेफ्टी पक्की हो गई, लेकिन शो के फॉर्मेट के हिसाब से उन्हें अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल पलों में से एक के बारे में बताना पड़ा। ब्रेकअप के बाद हर्षद ने काट लिया था हाथ हर्षद चोपड़ा ने बताया कि अपने पहले रिश्ते के टूटने के बाद उन्होंने एक बार अपनी जान लेने की कोशिश की थी। उस घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा,पहला रिश्ता था, कुछ हुआ था नाराज थी। फोन करके मुझे बताया गया कि यहां हूं, ये कर रही हूं, किसके साथ हूं। उस समय अपनी इमोशनल हालत बताते हुए हर्षद ने कहा,जो मैं फील कर रहा था, फील नहीं करना चाहता था और मुझे कुछ भी समझ नहीं आया तो मैंने अपना हाथ काट लिया। एक्टर ने बताया कि उस घटना की वजह से उनकी कलाई पर आज भी निशान है। उन्होंने बताया कि यह घटना मुंबई आने के कुछ समय बाद हुई थी , जब वे लगभग 22था और 23साल के थे। यह उनका पहला रिलेशनशिप था और घटना रिलेशनशिप के आठ-नी महीने बाद हुई थी। वह इससे पहले भी शो में अपने रिश्तों को लेकर कई बार सुर्खियां बटोर चुके हैं। हर्षद चोपड़ा ने शेयर किया दर्दभरा अनुभव हर्षद ने आगे बताया कि वे किसी तरह खुद ही अस्पताल पहुंच गए थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि शुरू में डॉक्टरों



ने पुलिस को सूचित करने के लिए कहा था। उन्होंने कहा ,बहुत हाथ-पैर जोड़े, बहुत मित्रों की। उसके बाद अकल आई कि उसके बाद मैंने खुद से वादा किया कि अब कभी खुद को नुकसान नहीं पहुंचाऊंगा। हर्षद चोपड़ा ने यह भी बताया कि उन्होंने इस घटना के बारे में पहले कभी सार्वजनिक रूप से बात नहीं की थी और उनके पिता को भी इसके बारे में पता नहीं था, क्योंकि उस समय वह मुंबई में अकेले रह रहे थे।

एक्स्ट्रे की बात सुनकर कंटेस्टेंट्स भावुक हो गए। जेलर रितेश देशमुख और फराह खान ने भी दर्शकों से अपील की कि वे कभी भी खुद को नुकसान पहुंचाने का रास्ता न अपनाएं और मुश्किल समय में मदद लें।'लॉक अप के हालिया एपिसोड में अपना सीक्रेट बताकर हर्षद बच गए , जबकि योगेश और सूफी पर एलिमिनेशन का खतरा मंडरा रहा था। रविवार के एपिसोड में पता चलेगा कि'लॉक अप से कौन बाहर होगा।

फीफा वर्ल्ड कप चौपियन स्पेन को मिले 481 करोड़ रुपये, हारकर भी मालामाल हुई अर्जेंटीना

वाशिंगटन (एजेंसी)

19 जुलाई को रोड़ी की कप्तानी में स्पेन की टीम ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 जीतकर इतिहास रच दिया है। फाइनल मैच में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से मात दी। दोनों टीमों के बीच मुकाबला इतना कड़ा था कि तय समय में कोई गोल नहीं हो पाया और मैच एक्स्ट्रा टाइम में चला गया, जहां स्पेन के खिलाड़ी फेरान टोरेस ने गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिला दी। स्पेन की इस ऐतिहासिक जीत की चमक सिर्फ ट्रॉफी जीतने तक ही नहीं रही, बल्कि चैंपियन बनते ही स्पेन की टीम ने फीफा वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे बड़ी प्राइज मनी भी अपने नाम कर ली।

फीफा वर्ल्ड कप चैंपियन स्पेन को मिले 50 मिलियन डॉलर फीफा ने वर्ल्ड कप जीतने वाली स्पेन की टीम को 50 मिलियन डॉलर (यानी लगभग 481 करोड़ रुपये) का भारी-भरकम इनाम दिया है। यह फीफा वर्ल्ड कप के पूरे इतिहास में किसी भी विजेता टीम को मिलने वाली अब तक की सबसे बड़ी प्राइज मनी है। अगर पिछले वर्ल्ड कप से तुलना करें, तो 2022 में जब अर्जेंटीना चैंपियन बनी थी, तब उसे 42 मिलियन डॉलर मिले थे। इसका मतलब है कि इस बार वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम की इनामी राशि में पूरे 8 मिलियन डॉलर (यानी करीब 66 करोड़ रुपये) की बढ़ोतरी की गई है।

फाइनल मैच हारने के बाद भी अर्जेंटीना की टीम को काफी बड़ी रकम मिली है। रनर अप रहने की वजह से अर्जेंटीना को 33 मिलियन डॉलर (यानी करीब 318 करोड़ रुपये) मिले, जो कि पिछले वर्ल्ड कप के मुकाबले 3 मिलियन डॉलर (करीब 29 करोड़ रुपये) ज्यादा हैं। वहीं, इस टूर्नामेंट में तीसरे नंबर पर रही इंग्लैंड की टीम को 29 मिलियन डॉलर (लगभग 279 करोड़ रुपये) और चौथे नंबर पर रहे फ्रांस को 27 मिलियन डॉलर (लगभग 260 करोड़ रुपये) की इनामी राशि मिली है।

राउंड ऑफ 16 और राउंड ऑफ 32 खेलने वाली टीमों को भी मिले करोड़ों रुपये



फीफा ने इस बार 48 टीमों के साथ टूर्नामेंट का आयोजन करवाया, जिसके लिए इनाम के पैसों में भी भारी बढ़ोतरी की गई। इस बार वर्ल्ड कप में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली हर टीम को 19 मिलियन डॉलर (करीब 183 करोड़ रुपये) मिले। वहीं, जो टीमों राउंड ऑफ 16 (यानी टॉप 16 में) आकर बाहर हो गईं, उन टीमों को 15 मिलियन डॉलर (करीब 144 करोड़ रुपये) दिए गए। जो टीमों राउंड ऑफ 32 टॉप 32 (का मैच हारकर बाहर हुईं, उन्हें 11 मिलियन डॉलर (लगभग 106 करोड़ रुपये) का इनाम मिला। यहां तक कि ग्रुप

स्टेज (शुरुआती दौर) से ही बाहर हो जाने वाली हर टीम को 9 मिलियन डॉलर (करीब 87 करोड़ रुपये) मिले। इस पूरे वर्ल्ड कप 2026 में फीफा ने कुल 871 मिलियन डॉलर (करीब 8386 करोड़ रुपये) का प्राइज मनी रखा था, जो कि पिछले वर्ल्ड कप से 431 मिलियन डॉलर ज्यादा है। इस पूरे पैसे में से 655 मिलियन डॉलर टीमों को उनके अच्छे खेल और प्रदर्शन के आधार पर दिए गए, जबकि बाकी का बचा हुआ पैसा टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने और मैच की तैयारी करने के खर्च के रूप में टीमों को दिया गया।

टीम इंडिया के साथ वैभव सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे की धरती पर रखा कदम, 23 जुलाई से एक्शन में आएंगे नजर

हरारे (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम का हार के साथ इंग्लैंड दौरा समाप्त हो चुका है। भारतीय टीम को 5 मैचों की T20I सीरीज में करारी



हार का सामना करना पड़ा। टीम इंडिया को 5 में से 4 मैचों में हार मिली, जबकि सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की ODI सीरीज खेली गई, जिसे इंग्लैंड ने 2-1 से अपने नाम किया। अब टीम इंडिया के सामने जिम्बाब्वे की चुनौती है, जिसके लिए टीम जिम्बाब्वे की धरती पर कदम रख चुकी है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने भारतीय टीम के जिम्बाब्वे पहुंचने की जानकारी एक्स पर शेयर की। टीम इंडिया 19 जुलाई की शाम को रॉबर्ट गैब्रिएल मुगाबे इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरी, जिसका वीडियो जिम्बाब्वे क्रिकेट ने शेयर किया है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने लिखा- T20 वर्ल्ड चैंपियन आ गए हैं! गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे के खिलाफ T20I सीरीज के पहले मैच से पहले भारतीय टीम रविवार शाम रॉबर्ट गैब्रिएल मुगाबे इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंची।

भारत और जिम्बाब्वे T20I सीरीज में 23 जुलाई से एक्शन में होंगे। दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की T20I सीरीज खेली जाएगी। सीरीज के तीनों मुकाबले एक ही वेन्यू यानी हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में रोड़ी को मिला बेस्ट प्लेयर अवार्ड



वाशिंगटन (एजेंसी)

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मैच स्पेन और अर्जेंटीना के बीच न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम के बीच खेला गया। इस मैच में स्पेन ने आखिरी समय में एक गोल करते हुए अर्जेंटीना को 1-0 से मात दी और इसके साथ ही 16 साल के बाद दूसरी बार वर्ल्ड कप ट्रॉफी अपने नाम की। स्पेन ने अर्जेंटीना का लगातार दूसरा वर्ल्ड कप जीतने का सपना भी तोड़ दिया। इस जीत के बाद स्पेन टीम के कप्तान रोड़ी ने टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी का गोल्डन बॉल अवार्ड जीता। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में किलियन एम्बाप्पे को गोल्डन बूट का अवार्ड मिला और इसके साथ ही उन्होंने एक नया इतिहास रच दिया है। वह लगातार दो वर्ल्ड कप में गोल्डन बूट जीतने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बन गए हैं। उनके बाद बेस्ट गोलकीपर का गोल्डन ग्लव अवार्ड स्पेन

के उनाई सिमोन ने जीता। स्पेन के खिलाफ फीफा वर्ल्ड कप 2026 के 8 मैचों में सिर्फ एक ही गोल पड़ा। जबकि स्पेन के ही पाउ कुबारासी ने अपनी ही टीम के लामिन यमाल को पछाड़कर बेस्ट युवा खिलाड़ी का अवार्ड भी अपने नाम कर लिया। कुबारासी स्पेन के लिए सेंटर बैक की भूमिका में खेलते हैं। वहीं नीदरलैंड की टीम ने फेयर प्ले अवार्ड जीता। फाइनल मैच में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी के पास गोल्डन बूट जीतने का मौका था। ऐसा करने के लिए उन्हें इस मैच में कम से कम दो गोल करने की जरूरत थी। लेकिन फाइनल में मेसी का जादू नहीं चला। इस मैच में वह एक भी गोल नहीं कर सके। मेसी अब तक दो बार गोल्डन बॉल भी जीत चुके हैं और उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें तीसरी बार भी ये अवार्ड मिलेगा लेकिन ये अवार्ड भी उन्हें नहीं मिला।

शुभमन गिल को सीरीज हार के बाद लगा एक और झटका, आईसीसी अवार्ड जीतने से चूके

लंदन (एजेंसी)

शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया इंग्लैंड से वनडे सीरीज हार गई है। तीन में से केवल एक ही मुकाबला भारतीय टीम



जीत सकी और दो में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद गिल ने अपनी टीम के खिलाड़ियों पर नाराजगी भी जताई है। इस बीच गिल को एक और झटका लगा है। आईसीसी ने उन्हें जून के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नॉमिनेट किया था। वनडे सीरीज खत्म होने के अगले ही दिन यानी आज उसका रिजल्ट घोषित किया गया, जिसमें न्यूजीलैंड के नाथन स्मिथ ने गिल को हराकर इस खिताब को अपने नाम करने में कामयाबी हासिल कर ली। आईसीसी ने जून महीने के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ के विजेता का ऐलान कर दिया गया है। न्यूजीलैंड के शानदार खिलाड़ियों में से एक नाथन स्मिथ ने इसे जीत लिया है। उन्होंने इस वक्त चल रही आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मुकाबले में जबरदस्त खेल दिखाया है। इस टूर्नामेंट के दौरान न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया, इसमें स्मिथ ने अपनी टीम की जीत में अहम योगदान निभाया।

2 साल के लंबे इंतजार के बाद पीवी सिंधु का ऐतिहासिक कम्बैक, पहली बार जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास



टोक्यो (एजेंसी)

भारत की स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाया है। सिंधु ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के खिताब पर कब्जा जमा लिया है। खिताबी मुकाबले में उन्होंने मेजबान देश की दिग्गज खिलाड़ी अकाने यामागुची को शानदार अंदाज में मात देकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम स्वर्णक्षरों में दर्ज करा लिया है। इस खिताबी जीत के साथ ही पीवी सिंधु यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीतने वाली भारत की पहली महिला शटलर बन गई हैं। जापान ओपन के फाइनल मुकाबले में पीवी सिंधु शुरुआत से ही अपनी पुरानी आक्रामक लय में नजर आई और उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी को मैच में वापसी करने का कोई भी मौका नहीं दिया। सिंधु ने जापान की अकाने यामागुची को लगातार दो सेटों में 21-17 और 21-17 के अंतर से करारी

शिकस्त दी। अपने ही घरेलू दर्शकों के सामने खेल रही यामागुची पर सिंधु का दबदबा पूरे मैच के दौरान साफ दिखाई दिया। इस ऐतिहासिक जीत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि बड़े और दबाव वाले मुकाबलों में सिंधु का कोई सानी नहीं है। यह खिताबी जीत पीवी सिंधु के करियर के लिए एक बड़ी राहत और मील का पत्थर बनकर आई है। दरअसल, करीब 2 साल के लंबे इंतजार के बाद वह क्विड्स वर्ल्ड टूर के किसी बड़े टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेलने कोर्ट पर उतरी थीं। इस खिताबी जीत से पहले उन्होंने आखिरी बार साल 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया था। इतने लंबे समय तक किसी बड़े खिताब से दूर रहने के बाद, जापान ओपन में मिली इस शानदार सफलता ने सिंधु के चैंपियन अवतार को एक बार फिर दुनिया के सामने ला दिया है और उनके फैंस को जश्न मनाने का एक बड़ा मौका दे दिया है।

Residential | Commercial Industrial | Agricultural Property Company Property Company

9050553363 | 7303319337

Office No. 69, Omaxe Galleria,
Main GT Road, Omaxe City, Sonipat

WhatsApp Call Facebook

Go Green with Ecowave Packaging!

- ✓ Kraft Paper Bags:
100% Eco-Friendly & Biodegradable
- ✓ Flexo Printing: 4-Color Customized Logo
Square Bottom & V-Bottom Bags
Logo & Design
- ✓ Handle & Without Handle Bags for
Retail, Grocery & E-Commerce
- ✓ FMCG | Pharma | Retail | Food Industry

Address:
2168, Phase 2, HSIDC Rai Sonipat (Haryana)
@ecowavepackaging.com

#eco
#paperbags #kraftbags #ecofriendly